डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail -aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमा: दिन-ब-दिन कम हो रहा किच्चा सुदीप की फिल्म का कलेक्शन

वर्ष -08 अंक -137 | प्रयागराज, शनिवार 06, अगस्त, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

देश में कोरोना के 19,406 नए मामले, कर्नाटक सीएम बोम्मई भी हुए संक्रमित

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, देश में कोरोना की दैनिक संक्रमण दर 4.96 प्रतिशत पहुंच गई है। वहीं सक्रिय कोरोना मरीज 1,34,793 हैं। देश में कोरोना संक्रमण के मामले में उतार-चढ़ाव जारी है। हालांकि, पिछले कुछ समय से दैनिक कोरोना मामले 20 हजार के आसपास ही बने हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटों में 19,406 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 19,928 लोग ठीक हुए हैं। संक्रमण दर पांच प्रतिशत के करीब स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, देश में कोरोना की दैनिक संक्रमण दर 4.96 प्रतिशत पहुंच गई है। वहीं सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या 1,34,793 पहुंच गई। इसके अलावा देश में अब तक कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या 526649 पहुंच गई तो वहीं कोरोना से ठीक होने वालों का आंकड़ा 43465552 पहुंच गया। कर्नाटक के सीएम कोरोना संक्रमित कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने ट्विटर के माध्यम से दी। उन्होंने लिखा, हल्के लक्षण पाए जाने पर उन्होंने कोरोना की जांच कराई, जिसमें उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई है। सीएम ने आगे बताया कि उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। पिछले कुछ दिनों में उनके संपर्क में जो भी लोग आए हैं, वह अपनी कोरोना जांच करा लें। इसके अलावा उन्होंने अपनी दिल्ली यात्रा भी स्थगित कर दी है। दस राज्यों में मिला बीए.2.5 देश के दस राज्यों में ओमिक्रॉन के नए उप स्वरूप बीए.2.5 की पहचान हुई है। इसके स्पाइक प्रोटीन संरचना में काफी म्यूटेशन है, जिसकी वजह से यह एंटीबॉडी का स्तर कम कर सकता है। हालांकि डेल्टा की तरह यह प्रभावी हो सकता है या नहीं? फिलहाल इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। इन्साकॉग ने कहा, जीनोम सीक्वेंसिंग के जरिये उनकी टीम भारत में कोरोना वायरस के बदलावों पर निगरानी रख रही है। बीए.2.5 उप स्वरूप मिलने के बाद भी देश के अस्पतालों में संक्रमित रोगियों की भर्ती दर में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा समय के लिए यह राहत भरी खबर है। इन्साकॉग के नेटवर्क में देश की 54 प्रयोगशालाएं हैं, जहां कोरोना संक्रमित मरीजों के सैंपल लेकर जीनोम सीक्वेंसिंग की जा रही है।

उपराज्यपाल और दिल्ली कैबिनेट के बीच बढ़ी रार

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार पर लगे कई आरोपउपराज्यपाल सचिवालय की तरफ से कहा गया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से पारदर्शिता, जवाबदेही गौर करने और टीओबीआर के निर्धारित वैधानिक प्रावधानों का अक्षरशः पालन कराने के लिए कहा है उपराज्यपाल सचिवालय की तरफ से कहा गया है कि मुख्यमंत्री अरविंद ज्ञापनों, प्रस्तावों और कैबिनेट नोटों की एक प्रति उपराज्यपाल सचिवालय को उपलब्ध कराई जानी चाहिए, जबकि कैबिनेट नोट्स में देखा गया है कि मंत्रिमंडल की बैठक की

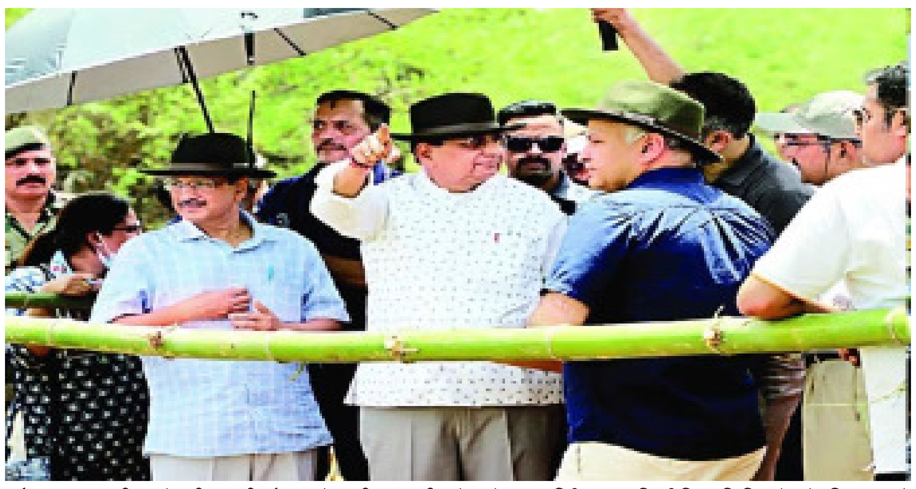

और शासन की बातें की जाती हैं, लेकिन उनकी सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं की स्पष्ट और जानबूझकर अवहेलना की जाती है। पराज्यपाल कार्यालय और दिल्ली कैबिनेट के बीच तकरार लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उपराज्यपाल सचिवालय ने दिल्ली कैबिनेट की पूरी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सरकार पर निर्धारित सांविधानिक प्रक्रिया का जानबूझकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उपराज्यपाल सचिवालय ने दिल्ली के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस मसले पर केजरीवाल की ओर से पारदर्शिता, जवाबदेही और शासन की बातें की जाती हैं, लेकिन उनकी सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं की स्पष्ट और जानबूझकर अवहेलना की जाती है। ऐसी चीजें दिन प्रति दिन स्पष्ट होती जा रही हैं। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार नियम, 1993 (टीओबीआर) का उल्लंघन है। यह पारदर्शी और जवाबदेह शासन के हित में नहीं है। टीओबीआर के नियम 13 के नियम 11 और उप नियम (3) के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि मंत्रिपरिषद, कैबिनेट द्वारा विचार किए जाने वाले निर्धारित तिथि से दो दिन पहले, बैठक से ठीक पहले या फिर बैठक के बाद उपराज्यपाल सचिवालय को कैबिनेट नोट्स प्राप्त होते हैं। प्राचार्य की तरह व्यवहार कर रहे एलजी दिल्ली सरकार के सूत्रों ने कहा है कि उपराज्यपाल प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वह छोटी-मोटी गलतियों को पकड़कर उस पर सरकार से उलझने की कोशिश करते हैं। दिल्ली सरकार ने उम्मीद जताई है कि उपराज्यपाल जनहित के कार्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे।

ऑपरेशन थियेटर में बुजुर्ग दंपती की अनोखी प्रेम कहानी

नई दिल्ली। दिव्यांग पति-पत्नी ने एक साथ कराई सर्जरीदिल्ली के द्वारका स्थित आकाश अस्पताल में बुजुर्ग दंपती के घुटनों की प्रत्यारोपण सर्जरी एक साथ की गई। चिकित्सकों ने उन्हें अलग-अलग सर्जरी कराने का सुझाव दिया, परंतु दंपती तैयार नहीं हुआ, क्योंकि वह अलग नहीं होना चाहते थे दक्षिण अफ्रीका के बोत्सवाना में रहने वाले 70 वर्षीय बुजुर्ग दंपती की बेपनाह मुहब्बत ऑपरेशन थियेटर में भी कम नहीं हुई। साथ जीने-मरने की कसमें खाने वाले इस जोड़े के अनोखे प्रेम को देखकर हर कोई हैरान है। करीब नौ साल से घुटनों में परेशानी के कारण

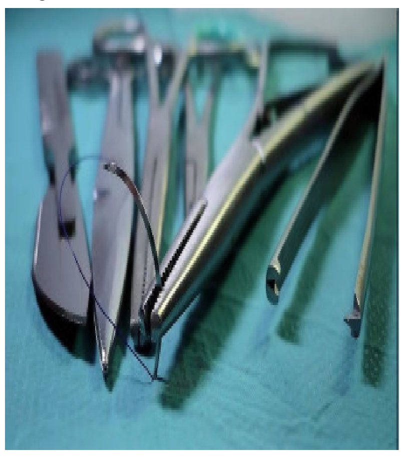

दोनों चलने-फिरने में अक्षम हो गए। व्हीलचेयर ही उनका सहारा थी, लेकिन वह फैसला कर चुके थे कि सुख हो या दुख, एक साथ रहेंगे और एक साथ चलेंगे। दोनों ने एक साथ सर्जरी कराई और एक साथ पैरों पर खड़े हुए। दिल्ली के द्वारका स्थित आकाश अस्पताल में बुजुर्ग दंपती के घुटनों की प्रत्यारोपण सर्जरी एक साथ की गई। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, 2020 में अविनाश और शशि ने दिल्ली के डॉक्टरों से सलाह मांगी थी। चिकित्सकों ने उन्हें अलग-अलग सर्जरी कराने का सुझाव दिया, परंतु दंपती तैयार नहीं हुआ, क्योंकि वह अलग नहीं होना चाहते थे। उनका मानना था कि अगर दोनों में से कोई एक इलाज कराता है तो दूसरा उसके बिना नहीं रह पाएगा। वह एक-दूसरे का सहारा हैं डॉ. आशीष चौधरी ने बताया कि यह एक बहुत ही दिलचस्प और मुश्किल था। इसके बाद दोनों का एक ही समय पर ऑपरेशन करने की योजना बनाई गई। एक ही सपोर्ट स्टाफ के साथ दंपती के लिए अस्पताल में अलग कमरे की व्यवस्था की गई, ताकि वह अपना सुख-दुख बांट सकें।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर दोपहिया तिपहिया वाहन चढ़े तो होंगे जब्त

नई दिल्ली। एसएसपी ने मामले का संज्ञान लिया और एसपी ट्रैफिक को एनएचएआई से समन्वय बनाकर सख्ती से कमियों को दूर करने और एक्सप्रेसवे पर दोपहिया और तिपहिया वाहनों पर रोक लगाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला वैन डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार में आग लग गई और दो लोग जिंदा जल गए थे। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे बड़े वाहनों के लिए बना है। इस पर दोपहिया, तीन पहिया प्रतिबंधित हैं, इसके बावजूद लोग जा रहे हैं। पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। उल्लंघन

जाएगा।दोपहिया और तिपहिया वाहन सवार अगर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चलेंगे तो वाहनों को सीज कर दिया जाएगा। साथ ही 20 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला जाएगा। एक्सप्रेसवे पर पिछले दिनों दोपहिया वाहनों से हुए सड़क हादसों की खबर प्रकाशित होने पर पुलिस चेती। एसएसपी ने मामले का संज्ञान लिया और एसपी ट्रैफिक को एनएचएआई से समन्वय बनाकर सख्ती से कमियों को दूर करने और एक्सप्रेसवे पर दोपहिया और तिपहिया वाहनों पर रोक लगाने के लिए निर्देशित किया। 28 जुलाई को मसूरी के दीनानाथपुर पूठी निवासी एक महिला, किशोरी और बच्ची दोपहिया वाहन से जाते समय रास्ता भटकने के कारण दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर चढ़ गए और वापस लौटने पर हादसे का शिकार हो गए। तीनों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इससे पहले कांवड़ यात्रा में कई सड़क हादसों में कांवडि़यों की मौत हुई थी। 26 जुलाई को दोपहिया वाहन से बचाने के कारण ओमनी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।- मुनिराज जी., एसएसपी हादसों में आएगी कमी मेरठ कमिशन्र ने भी अगस्त के पहले सप्ताह से प्रतिबंधित वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। एनएचएआई के अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंधित वाहन डीएमई पर चलना बंद हो तो हादसों में कमी आ जाएगी। एनएच-9 के रास्ते भेजा जाएगा एसएसपी ने बताया कि अधिकांश दोपहिया वाहन एक्सप्रेसवे पर दिल्ली के एंट्री प्वाइंट के साथ गाजियाबाद में यूपी गेट, एबीईएस कॉलेज के सामने, रेयान इंटरनेशनल स्कूल के सामने और भोजपुर टोल प्लाजा से चढ़ते हैं। इन वाहनों को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस से समन्वय बनाकर एनएच-9 के रास्ते भेजा जाएगा। साथ ही गाजियाबाद की सीमा से एक्सप्रेसवे पर चढ़ने से रोकने के लिए यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस को तैनात किया जाएगा।

स्पेशल सेल रखेगी डमी बम और पुलिस करेगी तलाश

नई दिल्ली । 15 अगस्त के लिए बड़ी तैयारीआतंकी हमले के इनपुट बृहस्पतिवार को मिले हैं। कई आतंकी संगठन सक्रिय हो गए है और 15 अगस्त के मौके पर दिल्ली समेत कई जगहों पर हमला करने जगह डमी बम रखेगी और स्थानीय थाना पुलिस उसकी तलाश करेगी। वहीं लालकिले पर सीसीटीवी कमरे लगाए जा रहे हैं कि कोई संदिग्ध या लावारिस वस्तु दिखाई देगी तो तुरंत अलार्म बज जाएगा। आतंकी

हमले के इनपुट बृहस्पतिवार को मिले हैं। कई आतंकी संगठन सक्रिय हो गए है और 15 अगस्त के मौके पर दिल्ली समेत कई जगहों पर हमला करने की फिराक में है। ऐसे में दिल्ली पुलिस के की फिराक में है। ऐसे में दिल्ली पुलिस के नए आयुक्त संजय अरोड़ा के आदेश पर स्पेशल सेल ने शुक्रवार से अभ्यास शुरू किया है।15 अगस्त के मौके पर आतंकियों को उनके मंसूबों में कामयाब होने से रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने बड़े स्तर पर तैयारी करना शुरू कर दिया है। स्पेशल सेल दिल्ली में जगह-नए आयुक्त संजय अरोड़ा के आदेश पर स्पेशल सेल ने शुक्रवार से अभ्यास शुरू किया है। हालांकि पहले भी शुरू कर किया था लेकिन बीच में इसे बंद कर दिया था। इसके तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीमें राजधानी में जगह-जगह बाजार, भीड़भाड़ वाली जगह व मॉल आदि में बम रखेगी और स्थानीय पुलिस उसे तलाश करेंगी। स्पेशल सेल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डमी बम रखने को लेकर सभी थानाध्यक्ष को मौखिक रूप से शुक्रवार को बता दिया गया है। स्पेशल सेल ने शुक्रवार को कई जगह बम रखा था, मगर कहीं से भी बम को पकड़ने की सूचना नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इससे जिला पुलिस की सतर्कता की जांच हो जाएगी। साथ ही बाजारों व भीड़भाड़ वाली जगहों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता हो जाएगी। दूसरी तरफ लालकिले पर भी तैयारियां पुख्ता की जा रही हैं। 315 नए आधुनिक कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के लिए एक तरह तरीके का सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया है। जैसे ही कोई संदिग्ध वस्तु यहां की पानी की बोतल भी सीसीटीवी कैमरों की जद में आएगी तो स्क्रीन पर लाल डॉट आने शुरू हो जाएंगे और अलार्म बज जाएगा। इससे पता लग जाएगा कि लालकिले में फलां जोन में संदिग्ध वस्तु हैं।

हां सुबह मोदी जी से सीखकर आई हूं

नई दिल्ली । महुआ ने ट्रोलर्स को 'ऊर्जा संरक्षण' बिल पर दिया जवाबतृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा इस बार ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर सोशल मीडिया यूजर के निशाने पर आ गई हैं हालांकि उन्होंने इसका पलटकर जवाब भी दिया है तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा अपने बयानों को लेकर अक्सर विवादों के केंद्र में रहती हैं। इन सब बयानों के चलते उन्हें कई बार सोशल मीडिया ट्रोलर्स का भी सामना करना पड़ता है। इसी क्रम में इस बार वह ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर सोशल मीडिया यूजर के निशाने पर आ गई हैं हालांकि उन्होंने इसका पलटकर जवाब भी दिया है। आज सुबह मोदी जी से सीखकर आई हूं: महुआ मोइत्रा दरअसल, लोकसभा की कार्यवाही के दौरान महुआ ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि मैं अब ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक पर बोलूंगी। इसपर एक यूजर ने उन्हें निशाने पर लेते हुए लिखा कि समझती भी हो 'ऊर्जा संरक्षण' क्या है? इसके बाद महुआ ने भी पलटवार करते हुए दिलचस्प जवाब दिया।

शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे से मांगा आशीर्वाद, केसरकर ने कहा-हमारी विचारधारा समान

नई दिल्ली । सरकर ने कहा, 'मैं एकनाथ शिंदे से मिलता था क्योंकि वह हमारी पार्टी में नेता नंबर-दो थे। मैं जब भी उनसे मिलता था तो वह उद्धव जी से मिलने जाते थे और कहते थे कि उन्हें बीजेपी से अपने पुराने रिश्ते को फिर से जगाना होगा।' महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिंदे गुट ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से आशीर्वाद मांगा है। शिंदे गुट के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने ठाकरे से आग्रह किया कि वे सीएम एकनाथ शिंदे को आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि आपकी विचारधारा समान है, इसलिए महाराष्ट्र व देश हित में आपको एक दूसरे का समर्थन देना चाहिए। इसमें कुछ गलत नहीं है। केसरकर ने कहा, 'मैं एकनाथ शिंदे से मिलता था क्योंकि वह हमारी पार्टी में नेता नंबर-दो थे। मैं जब भी उनसे मिलता था तो वह उद्धव जी से मिलने जाते थे और कहते थे कि उन्हें बीजेपी से अपने पुराने रिश्ते को फिर से जगाना होगा।

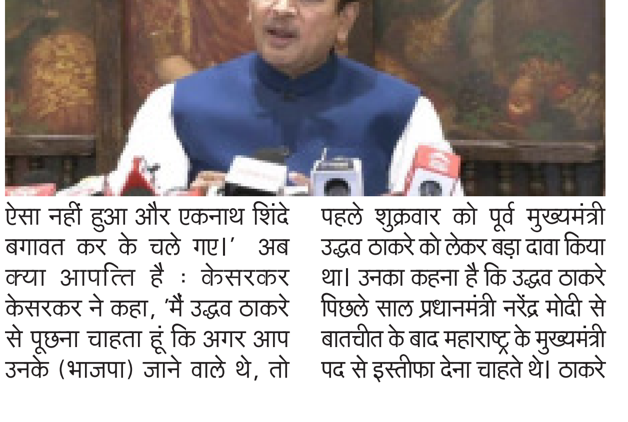

ऐसा नहीं हुआ और एकनाथ शिंदे बगावत कर के चले गए।' अब क्या आपत्ति है : केसरकर केसरकर ने कहा, 'मैं उद्धव ठाकरे से पूछना चाहता हूं कि अगर आप उनके (भाजपा) जाने वाले थे, तो अब आपको क्या आपत्ति है? एकनाथ शिंदे गुट ने भाजपा के साथ गठबंधन किया तो इसमें क्या आपत्ति है? केसरकर ने इससे पहले शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लेकर बड़ा दावा किया था। उनका कहना है कि उद्धव ठाकरे पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहते थे। ठाकरे के लिए मोदी के साथ उनके संबंध शीर्ष पद पर बने रहने से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले साल जून में उद्धव ठाकरे के पीएम मोदी से मिलने के बाद यह तय किया गया था कि वह अगले 15 दिनों में मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे क्योंकि उनके लिए उनके संबंध अधिक महत्वपूर्ण थे, लेकिन यह महसूस किया गया कि उन्हें अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को समझाने के लिए और समय चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एक वक्त पीएम मोदी ने ठाकरे को अपना छोटा भाई कहा था। 12 विधायकों के निलंबन से बिगड़ी बात : शेवाले इससे पहले शिंदे गुट के शिवसेना सांसद राहुल शेवाले ने कहा था कि उद्धव और प्रधानमंत्री की मुलाकात के कुछ ही दिन महाराष्ट्र विधानमंडल के वर्षाकालीन सत्र में भाजपा के 12 विधायकों को एक साल के लिए निलंबित कर दिया गया।

डेढ़ घंटे की बारिश से ताल तलैया बनी शहर की सड़कें

प्रयागराज। एक सप्ताह से भारी उमस व गर्मी झेल रहे शहरवासियों को मंगलवार की दोपहर अचानक हुई झमाझम बारिश से फौरी राहत मिली, लेकिन जगह-जगह जलभराव ने कई इलाकों के लोगों की मुसीबत भी बढ़ा दी। शहर के तमाम इलाके पानी में डूबे नजर आए। इससे इधर से गुजरने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शाम साढ़े छह बजे तक 4.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दोपहर करीब ढाई बजे शुरू हुई तेज बारिश ने नगर निगम के दावों की पोल खोल दी। नाला सफाई के दावे धरे के धरे रह गए। करीब डेढ़ घंटे की बारिश में शहर के दर्जनों इलाकों की सड़कें ताल तलैया बैगनटोला के आस-पास का इलाका, जार्जटाउन, अल्लापुर, गढ़ी सराय, सिविल लाइंस हॉट स्टफ, नया पुरावा जाने वाली सड़क, निरंजन डाटपुल, जेके आशियाना, गड्ढा कालोनी, चमेली बाई धर्मशाला के पीछे रोड, सलालाबाग समेत पुराने शहर के कई इलाकों में बारिश का पानी घंटों सड़क पर लगा रहा। नगर आयुक्त का आवास भी पानी से घिरा जलभराव की समस्या से नगर निगम परिसर के पास बना नगर आयुक्त का आवास भी अछूता नहीं रहा। आवास तक जाने वाली सड़क पूरी तरह बारिश के पानी में डूब गई। इससे शहर के दूसरे हिस्सों की समस्या का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। कई

बन गईं। इन सड़कों से गुजरने में लोगों को तरह-तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पानी भरने से कई स्थानों पर वाहन बंद पड़ गए। निरंजन डाट पुल के नीचे दो पहिया वाहन पूरी तरह पानी में डूबे नजर आए। कई लोग यहां बंद पड़ गए दो पहिया वाहनों को पैदल ही लेकर जूझते मिले। इधर से गुजरने वाली बसें भी करीब आधी डूबकर पार लगीं। उधर, अल्लापुर के बाघम्बरी हाउसिंग स्कीम और तुलसी पार्क के पास भारी जलजमाव से लोगों के घरों तक में बारिश व नाली का पानी घुस गया। जार्जटाउन के कोऑपरेटिव बैंक चौराहा के पास सड़कें डूबी नजर आईं। पुराने शहर के कई इलाके भी जलमग्न हो गए। देर शाम तक इन इलाकों के लोगों को मुसीबत उठानी पड़ी। इन इलाकों के लिए मुसीबत की बारिश नखासकोहना, शाहगंज थाना के आस-पास, अहमदगंज, कोलहनटोला, दाराशाह अजमल, इलाकों में घरों में घुसा सीवर का पानी तेज बारिश से गंगा प्रदूषण की ओर से डाली गई नई सीवर लाइन की भी पोल खुल गई। अल्लापुर, न्यू सोहबतियाबाग, सर्वोदय नगर, रामानंद नगर, गड़िया, नेता चौराहा इलाकों में सीवर लाइन जाम होने से पुराने घरों में गंदा पानी घुस गया। सर्वदलीय पार्षद/पूर्व पार्षद जनकल्याण संस्था के अध्यक्ष पूर्व पार्षद शिवसेवक सिंह ने बताया कि इस खराब स्थिति बारे में जलकल विभाग, नगर निगम को सूचना दी गई। कहा कि गंगा प्रदूषण में शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। जबकि नई सीवर लाइन पड़ने के बाद से जलकल विभाग सीवर टैक्स वसूल रहा है। ऐसे में जलकल विभाग की जिम्मेदारी है कि वह सीवर जाम की समस्या से नागरिकों को निजात दिलाए। सीवर लाइन अपनी क्षमता के हिसाब से कार्य कर रही है।

सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा का संशोधित परिणाम जारी हो

प्रयागराज। जूनियर हाईस्कूल सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा का संशोधित परिणाम जारी करने की हाईस्कूलों के लिए सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा अक्तूबर 2021 में कराई गई थी। नवंबर में

मांग को लेकर मंगलवार को अभ्यर्थियों ने सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। बारिश के दौरान भी अभ्यर्थी डटे रहे। सचिव ने कार्यालय से बाहर आकर बात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके बाद भी अभ्यर्थी डटे रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। शाम को अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन खत्म किया। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) की ओर से जूनियर परिणाम जारी हुआ लेकिन इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया अभ्यर्थियों ने परिणाम में गड़बड़ी का आरोप लगाया। इसके बाद कोर्ट चले गए। कोर्ट के आदेश पर पीएनपी ने पुनर्मूल्यांकन कराया। लेकिन अभी परिणाम घोषित नहीं हुआ है। मंगलवार को बड़ी संख्या में पीएनपी कार्यालय पहुंचे अभ्यर्थी संशोधित परिणाम की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने जैसे-तैसे मामला शांत कराया। प्रदर्शन में ज्ञानवेंद्र सिंह, राहुल, राजेश कुमार आदि अभ्यर्थी शामिल रहे।

सेना के हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग होने से मचा हड़कंप

प्रयागराज। मौके पर जुटी आसपास के गांवों की भीड़प्रयागराज में सेना का हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण आपात कालीन लैंडिंग की वजह से आसपास के गांवों के लोगों का देखने को तांता लग गया। औद्योगिक थाना क्षेत्र के बैदो गांव में सेना के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग होने से हड़कंप मच गया। सूचना पर हवाई सेना के तीन हेलीकॉप्टर और पहुंच गए। तकनीकी खराबी को सही कर हेलीकॉप्टर वापस चला गया। हेलीकॉप्टर का आपात लैंडिग से आसपास के क्षेत्रों के लोगों की मौके पर भीड़ जमा हो गई। प्रयागराज में सेना का हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण आपात कालीन लैंडिंग की वजह से आसपास के गांवों के लोगों का देखने को तांता लग गया। करछना तहसील क्षेत्र के औद्योगिक थाना अंतर्गत ग्रामसभा वेदौ और मुगारी गांव के समीप सेना का हेलिकॉप्टर तकनीकी रूप से खराबी आने की वजह से लैंडिंग कराया गया, जिसकी जानकारी होते ही आसपास के गांव के महिलाओ और बच्चों की खासी भीड़ जमा हो गई। थोड़ी देर बाद वायुसेना का दो हेलिकॉप्टर आकर हेलिकॉप्टर को ठीक किया।

विद्युत छापेमारी के दौरान किसी गरीब व्यक्ति का उत्पीड़न न किया जाये-जिलाधिकारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने विजिलेंस टीम को आगाह करते हुए कहा कि विद्युत छापामारी के दौरान किसी भी गरीब व्यक्ति का उत्पीड़न कदापि नहीं होना चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत देय, व्यापार,खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, नगर निकाय, स्टाम्प ड्यूटी, जी0एस0टी0 सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की तथा कम वसूली वाले विभाग को सुधार लाने के निर्देश दिये। जीएसटी की समीक्षा में उपायुक्त जीएसटी राम भुवन द्वारा बताया गया कि जीएसटी संग्रह माह जुलाई में 58 प्रतिशत हुआ है जबकि क्रमित उपलब्धि 76 प्रतिशत है। उपायुक्त जीएसटी ने बताया कि सचल दल द्वारा प्रर्वतन की कार्यवाही के उपरान्त 17 लाख 224 रूपये जमा कराये गये है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जीएसटी के अन्तर्गत नये व्यापारियों का पंजीकरण बढ़ाया जाये, जिन व्यापारियों द्वारा अभी तक जीएसटी का रिर्टन फाइल नही किया जा रहा है, उन्हें भी नोटिस निर्गत की जाये। स्टाम्प वसूली की समीक्षा में एआईजी स्टाम्प द्वारा बताया गया कि जुलाई माह में लालगंज, कुण्डा, पट्टी सब रजिस्ट्रार की प्रगति खराब है जिस पर जिलाधिकारी ने तीनों सब रजिस्ट्रार को कारण बताओ निर्गत करने का निर्देश दिया। एआईजी स्टाम्प द्वारा स्टाम्प कमी के 60 वादों का स्थलीय सत्यापन किया गया जिसमें मात्र 01प्रकरण में स्टाम्प कमी दर्शायी गयी है। जिलाधिकारी द्वारा स्टाम्प विभाग में मात्र 67 प्रतिशत वसूली किये जाने एवं स्थलीय सत्यापन में लापरवाही बरतने के कारण एआईजी स्टाम्प को भी कारण बताओ नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। आबकारी अधिकारी द्वारा बताया गया कि माह जुलाई में लक्ष्य के सापेक्ष 94 प्रतिशत की उपलब्धि प्राप्त हुई है, जिलाधिकारी ने आबकारी अधिकारी को प्रर्वतन की कार्यवाही नियमित संचालित किये जाने का निर्देश दिया। परिवहन विभाग की समीक्षा में पाया गया कि माह जुलाई में लक्ष्य के सापेक्ष 70 प्रतिशत वसूली हुई है, जिलाधिकारी ने कम वसूली एवं प्रर्वतन की कार्यवाही पर नाराजगी व्यक्त की तथा ओटीएस योजना

के अन्तर्गत ज्यादा से ज्यादा वाहन मालिकों से टैक्स जमा कराने का निर्देश दिया। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत सत्यपाल को निर्देशित किया कि विद्युत विभाग के विजलेन्स टीम द्वारा की जा रही छापेमारी में पारदर्शिता नही बरती जा रही है जिसकी बार-बार शिकायतें प्राप्त हो रही है, जिस पर अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि विजलेन्स टीम को निर्देशित करें कि किसी गरीब व्यक्ति का उत्पीड़न न किया जाये तथा छापेमारी के समय बिजली विभाग के अधिकारी उपस्थित रहकर पारदर्शी ढंग से कार्यवाही सुनिश्चित करें। बाट-माप की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने प्रर्वतन मामलों में वृद्धि करने का निर्देश दिया तथा पेट्रोल पम्पों पर घटतौली की प्राप्त शिकायतों के मद्देनजर पेट्रोल पम्पों की जांच करने का निर्देश दिया। नगर निकाय की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने नगर निकाय की आय बढ़ाने तथा अवैध वाहन अड्डों के विरूद्ध कार्यवाही का निर्देश दिया। आर0सी0 की समीक्षा के दौरान जीएसटी, परिवहन, विद्युत, खनन, स्टाम्प विभाग में आर0सी0 की वसूली सन्तोषजनक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) को निर्देशित किया कि जिन विभागां का राजस्व संग्रह खराब है तथा आर0सी0 की वसूली सन्तोषजनक नही है उन विभागों की अपने स्तर से समीक्षा कर उनके विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने खराब राजस्व संग्रह के कारण परिवहन, स्टाम्प, जीएसटी के विभागीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। चकबन्दी की समीक्षा के समय जिलाधिकारी ने चकबन्दी प्रक्रिया में अत्यधिक विलम्ब तथा प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। चकबन्दी के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायतवार समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने चकबन्दी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि चकबन्दी प्रक्रिया के दौरान निरन्तर शिकायतें प्राप्त हो रही है ऐसी ग्राम पंचायतों में एसडीएम और सीओ जाकर स्वयं शिकायतों का निस्तारण करायें। बैजलपुर, दिवैनी, गननैर, टोडरखुर्द, जगदीशपुर आदि गांव में चकबन्दी से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वरिष्ठ अधिकारी स्वयं इन गांवों का निरीक्षण कर शिकायतों का मौके पर निस्तारण करें। सीओ चकबन्दी कौशलेन्द्र द्वारा बताया गया कि चार नये गांवों को चकबन्दी का प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। जिलाधिकारी ने डीडीसी चकबन्दी को निर्देशित किया कि जिन गांवों में कई वर्षो से चकबन्दी की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पायी गयी है ऐसे गाँव में शिकायतों का अविलम्ब निस्तारण कर चकबन्दी की कार्यवाही शुरू करायी जाये। स्वामित्व योजना के अन्तर्गत ड्रोन मैपिंग, वरासत एवं राजस्व वादों व पट्टों के आवंटन की समीक्षा करने पर जिलाधिकारी द्वारा राजस्व परिषद द्वारा दिये गये लक्ष्यों के अनुरूप कार्यवाही सन्तोषजनक ढंग से न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वामित्व योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इस योजना में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को दण्डित किया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश सिंह, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वरूण सिंह, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, एआरटीओ सुशील मिश्रा, उपायुक्त जीएसटी राम भुवन सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन १३ अगस्त को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनुपम दूबे ने बताया कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के आदेशानुसार दिनांक 13 अगस्त 2022 दिन शनिवार को प्रातः 10 बजे से जनपद मुख्यालय के साथ ही साथ समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है।इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्यादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद), आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। वादकारी अपने सम्बन्धित न्यायालय में सम्पर्क कर अपने वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित कराकर लोक अदालत का लाभ उठायें।

पैरामेडिकल कालेज का परीक्षा केन्द्र बना एच0एन0बी0 पी0जी0कालेज लालगंज

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज से सम्बद्ध हेमवती नंदन बहुगुणा पी0जी0कालेज लालगंज की पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन को देखकर विश्वविद्यालय ने उसे नर्सिंग की परीक्षा का केंद्र बनाया है। लालगंज तहसील में एकमात्र वित्त पोषित महाविद्यालय हेमवती नंदन बहुगुणा की शैक्षिक गुणवत्ता एवं परीक्षा के सुचारू रूप से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को देखते हुए विश्वविद्यालय ने इसे पैरामेडिकल कॉलेज की परीक्षा का केंद्र बनाया है जिस पर परीक्षाएं चल रही हैं।प्राचार्य डॉ0 शैलेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में हो रही इस परीक्षा में महाविद्यालय के प्रवेश द्वार पर ही परीक्षाथिर्यों की सघन तलाशी के पश्चात उन्हें प्रवेश दिया जाता है।उड़ाका दल की सक्रियता से अभी तक किसी भी परीक्षार्थी द्वारा अनुचित साधन का प्रयोग करने का समाचार नहीं मिला है।शुक्रवार की प्रथम पाली की परीक्षा में 52परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि दूसरी पाली की परीक्षा में 15परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। कालेज के जनसूचनाधिकारी डॉ0फणीन्द्र नारायण मिश्र ने बताया कि इस महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित शाख के कारण विश्वविद्यालय इसे दिन प्रतिदिन नई जिम्मेदारियाँ प्रदान कर रहा है।

उद्यान विभाग की योजनाओं का कृषक लाभ उठायें-जिला उद्यान अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने बताया कि उद्यान विभाग के अन्तर्गत संचालित 06 योजनाओं का कृषक लाभ उठाएंगे। वे क्रमशः एकीकृत बागवानी विकास मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ''पर ड्राप मोर क्राप'' (माइक्रोइरीगेशन), औद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) एस0सी0पी0, फलपट्टी विकास योजना, गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में उद्यान रोपण एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उद्यान विभाग की संचालित योजनाओं में कृषकों का पंजीकरण आनलाइन रजिस्ट्रेशन पर पहले आओ पहले पाओ अनुदान का भुगतान डी0बी0टी0 से लागू है। उन्होंने बताया है कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन में क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम नवीन उद्यान रोपण आम, केला, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्राबेरी, ऑवला, कटहल, करौंदा, संकर शाकभाजी, पुष्प की खेती, ब्याज की खेती, पुराने बागों का जीर्णोद्धार, एचडीपीई वर्मी बेड, वर्मी कम्पोस्ट, एडाप्सन ऑफ आर्गेनिक फार्मिंग का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ''पर ड्राप मोर क्राप'' में ड्रिप सिंचाई पद्धति, पोर्टेबल स्प्रिंकलर, माइक्रो स्प्रिंकलर, मिनी स्प्रिंकलर, लार्ज वाल्यूम (रेनगन) स्प्रिंकलर एवं कृषकों का प्रशिक्षण एवं कृषक भ्रमण का लक्ष्य प्राप्त है। औद्यानिक विकास योजना योजना में संकर कद्दूवर्गीय सब्जी की खेती, संकर टमाटर, संकर मसाला मिर्च, संकर शिमला मिर्च, प्याज की खेती, गेंदा की खेती, मौनवंश एवं मौन गृह एवं आईपीएम का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार फलपट्टी विकास योजना में कैनोपी प्रबन्धन/जीर्णोद्धार, आईपीएम एवं पावर्ड नैपसेक स्प्रेयर, ग्रेडिंग पैकिंग सेण्टर एवं कृषकों के प्रशिक्षण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में उद्यान रोपण योजनान्तर्गत पौधशाला की स्थापना, नवीन उद्यान रोपण के लक्ष्य प्राप्त हुये है। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्योग उनन्यन योजनान्तर्गत 215 नवीन इकाइ्यां/उच्चीकरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होने बताया है कि कृषक पंजीकरण के सात दिवस के अन्दर आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं खतौनी की फोटोकापी तथा एक फोटो जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा बाद में पंजीकृत कृषक जिसका आवेदन जमा कर दिया गया होगा, वह आपके पहले लक्ष्य के सापेक्ष कार्यक्रम का पात्र हो जायेगा। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी प्रतापगढ़ में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

पट्टी में समाधान दिवस का आयोजन 06 अगस्त को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में दिनांक 06 अगस्त 2022 को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील पट्टी में किया जायेगा। इसके अलावा तहसील रानीगंज में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) व तहसील लालगंज में मुख्य राजस्व अधिकारी व अन्य तहसीलों में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त दिनांक 20 अगस्त को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील रानीगंज में, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) की अध्यक्षता में तहसील पट्टी में, मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में तहसील कुण्डा एवं अन्य तहसीलों में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा।

मुख्तार अंसारी के काफिले पर हमले के मुख्य आरोपी माफिया बृजेश को जमानत

प्रयागराज। कोर्ट ने निजी मुचलके और दो प्रतिभूतियों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्रा ने बृजेश कुमार सिंह उर्फ अरुण कुमार सिंह की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। गाजीपुर के मुहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के यूसुफपुर कासिमाबाद मार्ग पर उसरी चट्टी के पास मऊ के तत्कालीन विधायक मुख्तार अंसारी के काफिले पर हमला करने के मुख्य आरोपी माफिया बृजेश सिंह की जमानत अर्जी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शर्तों के साथ मंजूर कर ली है। कोर्ट ने निजी मुचलके और दो प्रतिभूतियों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्रा ने बृजेश कुमार सिंह उर्फ अरुण कुमार सिंह की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। घटना जुलाई 2001 की है। माफिया बृजेश सिंह ने अपने साथियों संग तत्कालीन विधायक मुख्तार अंसारी के काफिले पर हमला कर दिया था। इस घटना में मुख्तार अंसारी का गनर तथा एक सहयोगी मारा गया था जबकि नौ लोग घायल भी हुए थे। बाद में एक और ने दम तोड़ दिया था। मामले में विधायक मुख्तार अंसारी की ओर से बृजेश और त्रिभुवन सिंह के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया था। घटना में बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय का नाम भी सामने आया था। बृजेश सिंह लगातार जेल में था। याची के अधिवक्ता की ओर से तर्क दिया गया कि उसे रंजिशन फंसाया गया है। हालांकि, मुख्तार अंसारी पक्ष केअधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने जमानत का विरोध किया। कहा कि याची मुख्य आरोपी है। घटना में तीन लोगों की मृत्यु हो गई थी जबकि नौ लोग घायल हुए।

स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर भरवाकर बीएलओ जमा करें

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने जनपद के समस्त मतदाताओं को सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं से स्वैच्छिक रूप से आधार नम्बर एकत्र किये जाने की कार्यवाही दिनांक 01 अगस्त 2022 से गतिमान है। उन्होंने बताया कि आधार नम्बर एकत्रीकरण हेतु अगस्त माह में 07 अगस्त एवं 21 अगस्त दिन रविवार को समस्त मतदेय स्थलों पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जायेगा जहां पर मतदाता सूची में शामिल मतदाता फार्म-6बी में स्वैच्छिक रूप से अपना आधार नम्बर भरकर बूथ लेबल अधिकारियों को उपलब्ध करा सकते है या समस्त मतदाता वेबसाइट एनवीएसपी डाट इन, वोटर पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन (वीएचए) मोबाइल एप के माध्यम से फार्म-6बी के लिये आनलाइन आवदेन कर सकते है। उनके अनुसार मतदाताओं द्वारा आधार नम्बर उपलब्ध कराना स्वैच्छिक है और इस आधार पर उनका नाम मतदाता सूची डेटाबेस से अपमार्जित नहीं किया जायेगा।किसी भी परिस्थिति में प्राप्त आधार नम्बर को सार्वजनिक नहीं किया जायेगा। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा परिवर्धन/अपमार्जन/संशोधन इत्यादि से सम्बन्धित फार्मो को परिवर्तित नही किया गया है। परिवर्तित फार्मो में से प्रथम बार आवेदन कर रहे नये मतदाताओं के पंजीकरण हेतु फार्म-6, निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने के प्रस्ताव पर आपत्ति हेतु तथा पूर्व से शामिल नाम को अपमार्जित करने हेतु फार्म-7 तथा निवास परिवर्तन/निर्वाचक नामावली में संशोधन/मतदाता पहचान पत्र का प्रतिस्थापन/दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु फार्म-8 है। उन्होंने यह भी बताया कि आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां क्रमशः 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। अर्हक तिथियों को या उससे पूर्व यदि कोई मतदाता 18 वर्ष की आयु पूर्ण करता है तो वह अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकता है।

बेटे के शव को कंधे पर लादकर 25 किलोमीटर पैदल चलकर घर पहुंचा पिता

प्रयागराज। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इसे लेकर अस्पताल प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि बेटे का शव कंधे पर लादकर घरजाते समय जब पिता थक जाता था तो मां अपने कलेजे के टुकड़े को कंधे पर लादकर चलती थी। प्रयागराज में

मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। पैसे के अभाव में एंबुलेंस न मिलने पर एक पिता को अपने 14 साल के बेटे का शव कंधे पर लादकर 25 किलोमीटर दूर पैदल घर जाना पड़ा। यह दृश्य जिसने भी देखा उसका कलेजा दहल गया। बताया जाता है कि बेटे को करंट लग गया था। करंट लगने के बाद अचेतावस्था में माता पिता बेटे को लेकर एसआरएन अस्पताल पहुंचे थे। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वायरल खबर के अनुसार पिता के पास इतने पैसे नहीं थे जिससे वह प्राइवेट वाहन किराए पर लेकर घर जा सके। जो कुछ पैसे वह घर से लाया था वह बेटे के उपचार में खर्च हो गए थे। यह घटना स्वरूपरानी नेहरू हॉस्पिटल (एसआरएन) की बताई जा रही है। लाचार पिता बेटे के शव को कंधे पर लादकर करछना थाना क्षेत्र डीहा गांव तक गया। उसके पास इतने पैसे नहीं थे कि वह भाड़े पर प्राइवेट वाहन कर सके। बताया जाता है कि अस्पताल प्रशासन ने वाहन उपलब्ध कराने से मना कर दिया।। घटना का वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।लोग इसे लेकर अस्पताल प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि बेटे का शव कंधे पर लादकर घर जाते समय जब पिता थक जाता था तो मां अपने कलेजे के टुकड़े को कंधे पर लादकर चलती थी। इसी तरह वह अपने घर करछना थाना क्षेत्र के डीहा गांव पहुंचे। मामले की जानकारी होने पर कमिशनर विजय विश्वास पंत ने पूरे मामले की जांच का आदेश जारी कर दिया है।घटना का वीडियो उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने ट्विटर हैंडल पर भी शेयर किया है।

मुख्तार अंसारी के आर्थिक साम्राज्य पर तगड़ी चोट

गाजीपुर। सवा दो करोड़ की संपत्ति कुर्कजेल में बंद पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गाजीपुर जिले में मुख्तार पर पुलिस-प्रशासन ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। आईएस 191 गैंग के लीडर व पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी और उससे जुड़े गैंग के अंसारी के नाम से गाजीपुर शहर के मोहल्ला गोराबाजार में 191 वर्ग मीटर, रजदेपुर में 162.27 वर्ग और कुंदनपुर में 159 वर्ग मीटर भूमि है। तीनों को मिलाकर 2.15 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति को कुर्क किया गया है। एक महीने में 24 करोड़ की संपत्ति कुर्क बीते दो अगस्त को प्रभारी निरीक्षक है। पिछले एक महीने में 24 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति कुर्क की गई है। जिसमें मुख्तार अंसारी की ही 19 करोड़ की संपत्ति है। उसके गिरोह के अन्य लोगों द्वारा अपराध से अर्जित नामी और बेनामी संपत्तियों के चिन्हित करने का काम चल रहा है। संपत्तियों का पता चलने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की

सदस्यों पर लगातार शासन का शिकंजा कसता जा रहा है। मुख्तार के आर्थिक साम्राज्य पर तगड़ी चोट की जा रही है। शनिवार को गाजीपुर में पुलिस- प्रशासन की टीम ने मुख्तार अंसारी की दो करोड़ 15 लाख की बेनामी अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया। इस दौरान भारी संख्या में फोर्स मौजूद रही। नगर के तीन स्थानों गोराबाजार, रजदेपुर और फुलुनपुर की भूमि संपत्ति को मुनादी कर कुर्की की कार्रवाई की गई। ये सभी भू-संपत्ति पतनी आफसा अंसारी के नाम पर दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्रे ने बताया कि आफसा मुहम्मदाबाद द्वारा प्रेषित रिपोर्ट पर कार्रवाई का आदेश तीन अगस्त को जारी हुआ था। इससे पहले गुरुवार को भी मुख्तार अंसारी की पतने के नाम 50 लाख रुपये की अचल भू-संपत्ति को फिर कुर्क किया गया था।मुहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के जफरापुर में यह कार्रवाई हुई थी। जिला और पुलिस प्रशासन की ओर से हो रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से मुख्तार गैंग से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्रे ने कहा कि माफिया और उसके गिरोह के लोगों के खिलाफ अभियान चला कर भूमि जब्त करने की कार्रवाई की जा रही जाएगी लंबे समय से फरार है आफसा अंसारी आईएस 191 गैंग के लीडर मुख्तार अंसारी की पतने आफसा अंसारी पर गाजीपुर और मऊ पुलिस ने गैंगस्टर कायम किया है। कोर्ट की ओर से गैरजमानती वार्ट जारी हो चुका है। हाजिर न होने के चलते पुलिस मुख्तार की पतने की कई संपत्तियों की कुर्की की जा रही है। इससे पहले बीते दिनों पुलिस ने लखनऊ में दो अवैध संपत्तियों को कुर्क किया था। तब मुख्तार अंसारी के सहयोगी भीम सिंह की जमीन पर ये कार्रवाई हुई थी। लखनऊ में भीम सिंह के आवास और एक जमीन पर कुर्की की कार्रवाई की गई थी।

दुष्कर्म मामले में बसपा सांसद अतुल राय बरी, बनारस में तीन साल पहले दर्ज हुआ था केस

वाराणसी। दुष्कर्म मामले में आरोपी मऊ जिले के घोसी से बसपा सांसद अतुल राय को बरी कर दिया गया है। विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए सियाराम चौरसिया की कोर्ट ने ये फैसला सुनाया। घोसी से बसपा सांसद अतुल राय को दुष्कर्म मामले में बरी कर दिया गया है। विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए सियाराम चौरसिया की कोर्ट ने ये फैसला सुनाया। हालांकि अतुल राय अभी जेल से बाहर नहीं आएंगे। बसपा सांसद के अधिवक्ता ने बताया कि अभी लखनऊ में एक मामला और दर्ज है। उसमें जमानत के बाद ही रिहाई हो पाएगी। मुकदमे में सुनवाई के बाद शनिवार को वाराणसी कचहरी परिसर के बाहर अतुल राय समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। तीन साल पुराना यह मामला काफी चर्चित था। बीते साल 16 अगस्त को अतुल राय पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली युवती ने अपने मित्र के साथ सुप्रीम कोर्ट के सामने आत्मदाह कर लिया था। उपचार के दौरान युवक की 21 और युवती की 24 अगस्त को मौत हो गई थी। दोनों ने कोर्ट के बाहर फेसबुक पर लाइव वीडियो शेयर करते हुए आत्मघाती कदम उठाया था। लाइव वीडियो में पीड़िता और उसके साथी ने वाराणसी पुलिस के तत्कालीन अफसरों और न्याय व्यवस्था को कोसते हुए यह कदम उठाया था। मई 2019 में दर्ज हुआ था दुष्कर्म का मुकदम वाराणसी के एक कॉलेज की पूर्व छात्रा व मूल रूप से बलिया की रहने वाली युवती ने बसपा सांसद अतुल राय पर एक मई 2019 को लंका थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें गवाह के तौर पर गाजीपुर के भंवरकोल निवासी एक युवक था। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद 22 जून 2019 को अतुल राय ने वाराणसी की कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। तब से वह जेल में ही हैं। मौजूदा समय में वह प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल में बंद हैं। माफिया मुख्तार के करीबी अतुल राय पर दर्ज हैं 27 मुकदमे कभी माफिया मुख्तार अंसारी के बेहद करीबी रहे अतुल राय पर कुल 27 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। 2009 में पहला मुकदमा दर्ज हुआ था। बीएससी की पढ़ाई के मुख्तार से खतरा भी बताया है। दुष्कर्म पीडि़ता और गवाह साथी की मौत से आया था उबाल सांसद अतुल राय पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने वाली पीडि़ता और उसके गवाह साथी ने पुलिस पर एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाते हुए 16 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट के बाहर आत्मदाह किया था। दुष्कर्म

दौरान ही अतुल राय का झुकाव जरायम और सियासत की ओर हुआ और वह मऊ सदर के पूर्व विधायक माफिया मुख्तार अंसारी से जुड़ गया। इसके बाद वह फिर कभी पीछे नहीं देखा। मुख्तार के शह पर मोबाइल टावर में तेल सप्लाई के कारोबार से लेकर बरेका में ठेका और रियल एस्टेट कारोबार से आगे बढ़े अतुल राय ने पहली बार में ही बसपा के टिकट पर घोषी से चुनाव जीता। इस चुनाव के बाद से ही मुख्तार और अतुल में दूरियां बढ़ गई। बेटे अब्बास को घोषी से सांसद बनाने का सपना देखने वाले मुख्तार के हाथ से बसपा का टिकट छीनने वाले अतुल राय ने अपनी जान को पीडि़ता को आत्महत्या के लिए उकसाने मामले में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले में भेलूपुर के पूर्व सीओ अमरेश सिंह बघेल को भी 30 सिंतबर को बराबंकी से गिरफ्तार किया गया था। बघेल अब भी जिला जेल चौकाघाट में बंद है। वहीं, बनारस के तत्कालीन एसएसपी अमित पाठक, तत्कालीन एसपी सिटी विकास चंद्र त्रिपाठी पर शासन स्तर से कार्रवाई हुई थी और कैंट इंस्पेक्टर राकेश सिंह व दरोगा गिरजा शंकर सिंह यादव को पुलिस आयुक्त ने निलंबित करते हुए जांच बैठा दी थी। गाजीपुर, बलिया और बनारस तक इस घटना से लोगों में उबाल था।

बुजुर्ग ने फांसी लगाकर दी जान, सुसाइड नोट में लिखा- बड़ा बेटा, बहू और पोते मारपीट करते थे

वाराणसी। वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र के परानापुर गांव निवासी मोतीलाल यादव (65) ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की जेब से पुलिस को सुसाइड नोट मिला है। वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र के परानापुर गांव निवासी मोतीलाल यादव (65) ने फांसी लगाकर जान दे दी। मौके से मिले सुसाइड नोट में मोतीलाल ने बड़ा बेटा, बहू और पोते मारपीट करने व रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक मोतीलाल यादव सरैया वाराणसी में परिवार संग रहकर मिठाई का डब्बा बनाते थे। शुक्रवार शाम वो बड़े बड़े बेटे लालजी यादव व उनके परिवार से नाराज होकर चौबेपुर क्षेत्र के परानापुर गांव स्थित पैतृक आवास पर आ गए। सुबह ग्रामीणों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा। जेब से एक सुसाइड नोट मिला। पुलिस के मुताबिक, इसमें बड़े बेटे लालजी यादव, बहू माया देवी, और पोता अभिषेक यादव का नाम लिखा है। नोट में लिखा है कि ये लोग मेरा कारखाना और रुपये ले लिए हैं। इसको लेकर मारपीट करते थे। इस कारण वह आत्महत्या कर रहा है। आगे लिखा है कि मेरे दो बेटे लालू यादव व श्रीराम यादव को झूठे मुकदमे में फंसाया गया है। पुलिस सुसाइड नोट के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई में जुट गई है।ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से इनका परिवार शहर में रहता है। मोतीलाल यादव का बड़े बेटे के साथ धन संपत्ति को लेकर विवाद लंबे समय से चल रहा है।

पत्नी की बेरहमी से हत्या कर थाने पहुंचा पति, बोला- मुझे गिरफ्तार कर लो

मऊ। जिले के ताजोपुर गांव में एक शख्स ने शनिवार सुबह अपनी पतनी की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद खुद थाने पहुंचा और बोला कि मुझे गिरफ्तार कर लो। मऊ जिले के सरायलखंसी थाना 10 साल से अपने पति और दो बच्चों के साथ ताजोपुर गांव स्थित अपने मकान में रहती थी। पेशे से किसान देवेंद्र की यह दूसरी पतनी थी। पहली पतनी की मृत्यु हो चुकी है। शनिवार सुबह की देवेंद्र की

क्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। क्षेत्र के ताजोपुर गांव में एक शख्स ने अपनी ही पतनी की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद खुद थाने पहुंचा और अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने हत्या में प्रयुक्त फावड़े को भी पुलिस को सुपुर्द कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस के मुताबिक, अवैध संबंध के शक में वारदात को अंजाम दिया गया है। कृपादेवी (38) पत्नी देवेंद्र यादव ताहिरपुर गांव की निवासी थी। वह पिछले किसी बात को लेकर पतनी से विवाद हो गया। दोनों में मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान गुस्से में देवेंद्र ने पतने कृपादेवी पर फावड़े से हमला कर दिया। मौके पर ही कृपा देवी की मौत हो गई। इसके बाद देवेंद्र भागते हुए थाने आया और घटना की जानकारी देते हुए कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो पुलिस उसके साथ मौके पर पहुंची और फारेंसिक टीम के साथ जांच पड़ताल शुरू कर दी। थाना प्रभारी केके गुप्ता ने बताया कि मामला पतने के अवैध संबंध का है इस बात से नाराज पति ने पत्नी की हत्या कर दिया।

वाराणसी में सुबह से धूप छांव का खेल जारी, उमस ने बढ़ाई परेशानी

वाराणसी। दो दिन ऐसे ही रहेगा मौसमवाराणसी में मौसम बार-बार रंगत बदल रहा है। शुक्रवार रात कहीं-कहीं हुई हल्की बूंदाबांदी के बाद शनिवार सुबह से सूरज बादलों की ओट में छिपा है। पिछले सप्ताह हुई बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी थी। वहीं अब धूप-छांव के खेल से उमस बढ़ने से लोगों को परेशानी का सामना करना इस बार मौसम बार-बार रंगत बदल रहा है। मानसून ने भी इस बार शुरूआत पर अपना रंग दिखाया। जब बारिश शुरू हुई तो राहत भी मिली और सबसे अधिक किसानों की चिंता दूर हो गई। जुलाई में तो औसत 294 मिलीमीटर बारिश की तुलना में महज 130 मिलीमीटर ही बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है मौसम बार-बार रंगत बदल रहा है। बारिश की लगातार संभावना बन रही है। गंगा के जलस्तर में घटाव का सिलसिला लगातार जारी है। शुक्रवार को रफ्तार थोड़ी धीमी रही और जलस्तर एक सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से कम हो रहा था। गंगा का जलस्तर जैसे नीचे उतर रहा है

पड़ रहा है। वाराणसी में शुक्रवार रात कहीं-कहीं हुई हल्की बूंदाबांदी के बाद शनिवार सुबह से सूरज बादलों की ओट में छिपा है। सुबह 9 बजे का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार सुबह से निकली धूप ने उमस बढ़ा दी। देपहर बाद हल्के बादल भी छाए। बता दें कि अपने पीछे मिट्टी, गंदगी और गाद भी घाटों पर छोड़ रही है। शीतला मंदिर के नीचे मिट्टी और गाद के ढेर लग गए हैं। यही नजारा अस्सी से राजघाट के बीच कई घाटों पर नजर आ रहा है। जलस्तर कम होने के बाद भी घाटों का संपर्क नहीं जुड़ सका है। वहीं, दूसरी तरफ वरुणा के जलस्तर में पिछले 24 घंटे से बढ़ाव जारी है। पानी अब भी ऊपरी प्लेटफार्म पर बना हुआ है।

वाहन स्वामी सावधान, इस एक गलती की वजह से कटेगा पांच हजार का चालान

बलिया। संभागीय परिवहन अधिकारी अनीता सिंह ने बताया कि 15 अगस्त से ऐसे वाहन जिनके नंबर प्लेट के अंत में 4 व 5 नंबर हैं। उनपर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य कर दिया गया है। जांच में इन नंबर के वाहनों पर एचएसआरपी नहीं होने पर चालान की कार्रवाई की जाएगी। वाहनों के नंबर प्लेट के अंत में 0-1 व 2-3 के बाद अब 4 व 5 अंक वाले निजी वाहनों पर भी 15 अगस्त से हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अनिवार्य होगा। ऐसे वाहन स्वामी जिनके नंबर प्लेट के अंत में 4 व 5 अंक हैं, वे सावधान हो जाएं और जल्द से जल्द एचएसआरपी लगवा लें, नहीं तो उनके वाहनों के पांच हजार रुपये के चालान कटेंगे। शासन की ओर से वाहनों पर कलर कोटेड हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए अलग-अलग समय सीमा तय की गई है। पिछले वर्ष सितंबर से ही व्यावसायिक वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य कर दिए गए हैं। इसके बाद इस वर्ष विगत 15 फरवरी से वाहनों के नंबर प्लेट के अंत में 0 व 1 और 15 मई से 2 व 3 वाले वाहनों पर एचएसआरपी अनिवार्य की गई थी।

हाईवे किनारे खड़े ट्रक में ट्रक ने मारी टक्कर, चालक की मौत, खलासी घायल

आजमगढ़। के रानी की सराय थाना क्षेत्र में शनिवार अलसुबह ट्रक ने सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में टक्कर मारने वाले ट्रक के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। आजमगढ़ के रानी की सराय थाना क्षेत्र में शनिवार जानकारी के अनुसार मऊ जिले के अहमहा गांव निवासी बब्बू (36) बिहार से चावल लादकर जबलपुर जा रहा था। वह रानी की सराय थाना के कोटिला और चेकपोस्ट के पास हाईवे के पास पहुंचा ही था कि वहां पहले से खड़े एक अन्य

अलसुबह ट्रक ने सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। घटना में एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घायल खलासी को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक के शव को ट्रक से किसी तरह बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। दूसरे ट्रक के चालक और खलासी को हिरासत में ले लिया। ट्रक को कब्जे में लेकर थाने लाया गया है। ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर काफी जोरदार थी। घटना में ट्रक चालक बब्बू की मौके पर ही मौत हो गई। इस बीच वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने ट्रक में फंसे चालक के शव को किसी तरह से बाहर निकलवाया। इसक बाद शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। जबकि घायल खलासी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

वीर बलिदानियों की गौरव गाथा समेटे हुए है घंटाघर

वाराणसी। इतिहास जानकर गर्व करेंगे आपगोरखपुर महानगर के हिंदी बाजार में स्थित घंटाघर स्वतंत्रता आंदोलन के वीर बलिदानियों के शहादत की गौरव-गाथा को अपने भीतर समेटे हुए है। वर्तमान में जहां यह घंटाघर है वहां 1857 में एक विशाल पाकड़ का पेड़ हुआ करता था। इसी पेड़ पर पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अली हसन के साथ दर्जनों स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी गई थी। वहीं महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की शव यात्रा भी यहां रुकी थी। यहीं उनकी मां ने एक प्रेरणादायी भाषण दिया था। दरअसल, 19 दिसंबर 1927 में जब जिला कारागार में बिस्मिल को फांसी दी गई तो शहर में निकली उनकी शवयात्रा इसी घंटाघर पर आकर रुकी थी। उसी दौरान बिस्मिल की माता ने यहां पर प्रेरणादायी भाषण भी दिया था। इस घटना के बाद यह स्थान पूरी तरह से पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को समर्पित हो गया। घंटाघर के निर्माण का श्रेय रायगंज के सेठ राम खेलावन और सेठ ठाकुर प्रसाद को जाता है।

गाजीपुर कोर्ट में पेश होगा माफिया बृजेश, उसरी कांड में 16 को सुनवाई,

गाजीपुर। मुख्तार से जुड़ा है मामला21 वर्ष पुराने मुहम्मदाबाद थाने के उसरी चट्टी हत्याकांड में 16 अगस्त को सुनवाई है। मुख्य अभियुक्त माफिया बृजेश सिंह की पेशी होगी। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम एमपी/एमएलए कोर्ट रामसुध सिंह की अदालत में 21 वर्ष पुराने मुहम्मदाबाद थाने के उसरी चट्टी अंसारी के गनर के अलावा हमलावरों में से भी एक की मौत हो गई थी। मुख़्तार अंसारी के हमराहियों को भी चोट आई थीं। इस मामले में मुख्तार अंसारी ने बृजेश सिंह व त्रिभुवन सिंह को नामजद करते अन्य 15 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया। विवेचना के बाद पुलिस ने चार के खिलाफ आरोपपत्र प्रेषित

हत्याकांड में 16 अगस्त को सुनवाई में मुख्य अभियुक्त माफिया बृजेश सिंह पेश होगा। दूसरा मुख्य अभियुक्त त्रिभुवन सिंह वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में हाजिर होगा।पिछली अदालती कार्यवाही में दोनों अभियुक्त वीडियो क्रांफ्रेंसिंग से नहीं जुड़ पाए थे। इस पर अदालत ने सख्त रुख अपनाया था। इसमें वाराणसी और मिर्जापुर जेलर से स्पष्टीकरण तलब किया था। उस समय बृजेश सिंह सेंट्रल जेल वाराणसी में था, जिसे अब जमानत पर रिहा कर दिया गया है। 15 जुलाई 2001 को मुख्तार अंसारी के निर्वाचन क्षेत्र मऊ जाते समय दिन में 12:30 बजे उसरी चट्टी पर बदमाशों ने स्वचालित हथियारों से फायरिंग कर दी थी। इसमें मुख्तार किया। दो आरोपियों की विचारण के दौरान मौत हो गई। पिछली कई तारीखों से गवाह उपस्थित होने के बावजूद गवाही न होने पर अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए सेंट्रल जेल वाराणसी के जेलर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा था। कई तारीखों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए लिंक न मिलने के कारण अभियुक्त बृजेश सिंह व त्रिभुवन सिंह अदालत में हाजिर नहीं हो पा रहे थे। इससे गवाह रमेश राम की गवाही नहीं हो पा रही थी। अदालत ने 16 अगस्त को अभियुक्तों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित जेलरों मिर्जापुर और वाराणसी को आदेश की प्रति भेजने का आदेश दिया था।

मुंबई जा रहे विस्तारा एयरलाइंस के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

गाजीपुर। पक्षी टकराने के बाद वापस उतरा एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि विस्तारा एयरलाइंस के विमान यूके 622 ने शाम 4:11 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरी थी। बर्ड हिट की आशंका में 4:40 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पर विमान की

इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मुंबई को उड़ान भरे विस्तार विमान से शुक्रवार की शाम अचानक एक पक्षी टकरा गया। रनवे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद बर्ड हिट की घटना हुई। पायलट ने एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई। हालांकि इससे पूर्व विमान हवा में चार चक्कर लगाया। 101 यात्रियों को एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। घटना को लेकर एयरपोर्ट पर काफी देर तक हड़कंप की स्थिति रही। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शाम चार बजकर 11 मिनट पर विस्तारा का यूके 622 विमान 101 यात्रियों को लेकर मुंबई के लिए उड़ान भरा। रनवे से उड़ान भरकर विमान हवाई पट्टी क्षेत्र में ही था कि अचानक एक पक्षी विमान से टकरा गया। पायलट ने इसके तुरंत बाद ही एटीसी से संपर्क करते हुए इमरजेंसी लैंडिंग की मांग की। एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग के लिए आधे घंटे तक विमान को इंतजार करना पड़ा और इस दौरान यात्रियों को लेकर विमान हवा में चक्कर काटता रहा। एटीसी से अनुमति मिलने के बाद 4.40 बजे विमान को एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार पक्षी टकराने से विमान में तकनीकी खराबी आई है। बर्ड हिट के कारण विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

मानव तस्करी कि रोकथाम के लिए AHTU सोनभद्र मे आज बैठक हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। मानव तस्करी आज समाज में बहोत ही तेज गति से अपना पैर फैलाती जारही है मांनव तस्करी भिक्षावृत्ति कि रोकथाम नहीं कि गई तो बड़ी ही तेजी गति से इस का कारोबार होने से कोई नहीं रोक सकता मानव तस्करी एवं भिक्षावृत्ति कि बढ़ती हुई स्थिति देखते हुए आज थार्नीप्ऊळ सोनभद्र में मानव तस्करी , बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति आदि की रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। बैठक में पूर्व की कार्य वृत्ति का अनुसरण किया गया। प्रभारी निरीक्षक द्वारा माह अगस्त में बालश्रम , मानव तस्करी व भिक्षावृत्ति की रोकथाम एवं प्रचार-प्रसार हेतु जनपद स्तर पर कार्य योजना तैयार की गई साथ ही यह सुनिश्चित किया गया की बाल श्रम से मुक्त कराये गये नाबालिग बच्चों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कराया जाये। बैठक मे जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ.आर.डब्लूयू शेषमणि दुबे , मुख्य आरक्षी हरिदत्त पांडे, आरक्षी धनंजय यादव ,अमन द्विवेदी एवं महिला आरक्षी शालिनी वैश्य आदि उपस्थित रहे ।

डीएवी पब्लिक स्कूल खडिया में आज एलकेजी से लेकर कक्षा द्वितीय तक के छात्रों की रूप सज्जा प्रतियोगिता संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

शक्तिनगर (सोनभद्र)। डी ए वी पब्लिक स्कूल खडिया में आज

एलकेजी से लेकर कक्षा द्वितीय तक के छात्रों की रूप सज्जा प्रतियोगिता संपन्न हुईत् कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडेय जी ने संबंधित कक्षा अध्यापकों एवं कार्यक्रम के निर्णायक मंडल द्वारा दीप प्रज्वलित कर संपन्न किया कार्यक्रम के दौरान एलकेजी के प्रतिभागियों ने जहां दैनिक जीवन में खाद्यान्न के रूप में प्रयोग आने वाली भिन्न-भिन्न सब्जियों के रूप में अपनी प्रस्तुति दी वही यूकेजी के छात्रों ने समाज सेवकों के रूप में डॉक्टर, सैनिक, अध्यापक, किसान एवं दूध वाला बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कक्षा एक के छात्रों ने जहां देवी देवताओं के रूप में मां काली, दुर्गा, राधा ,पार्वती, सरस्वती, सीता, लक्ष्मी एवं हनुमान के रूप में अपनी प्रेरणास्पद प्रस्तुति दी, वही कक्षा द्वितीय के छात्रों ने देश के राष्ट्र पुरुषों, महापुरुषों, प्रेरणा स्रोत पुरुषों के व्यक्तित्व के रूप में सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, शिवाजी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, रानी दुर्गावती, झांसी की रानी एवं इंदिरा गांधी के रूप में अपनी प्रस्तुति देकर एवं उनके विशिष्ट कथनों की याद दिलाते हुए सबका मन आकर्षित किया कार्यक्रम समापन पर प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडेय जी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया तथा अपने संदेश में बताया कि परिवार नागरिक गुणों की प्रथम पाठशाला है, प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए तथा साथ ही साथ उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बच्चे के विकास में प्राथमिक शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।

ज्ञानपुर के पूर्व विधायक पर अनर्गल बयानबाजी का आरोप, लापरवाही में 8 पुलिसकर्मी निलंबित

सोनभद्र। विंध्याचल के पुरोहित अवनीश मिश्रा से रंगदारी मांगने के मामले में शुक्रवार को अदालत में पेशी पर आए पूर्व विधायक विजय मिश्र व अन्य पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, विधि विरुद्ध कार्य करने का मुकदमा दर्ज किया गया। ज्ञानपुर के पूर्व विधायक बाहुबली विजय मिश्र की मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। पूर्व विधायक पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। विजय मिश्र विंध्याचल के पुरोहित अवनीश मिश्रा से रंगदारी मांगने के मामले में शुक्रवार को अदालत में पेशी पर लाए गए थे। पेशी के पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि भदोही के माफिया विजय मिश्र को आगरा पुलिस लेकर आई थी। संज्ञान में आया है कि पेशी के बाद विजय मिश्र ने विधि विरुद्ध कार्य किया, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई और अनर्गल बयानबाजी की। इस मामले में विजय मिश्र व अन्य पर मुकदमा दर्ज किया गया है। लापरवाही बरतने के आरोप में मिर्जापुर के आठ पुलिसकमिर्यों पर कार्रवाई की गई है। परिवार को फंसाने के लिए रखी एके-47 राइफल रंगदारी के मामले में शुक्रवार को प्रथम एसीजेएम कोर्ट लेकिन भदोही कोर्ट में अर्जी दाखिल करने पर ऐसा नहीं कर सके। एक एके-47 लाकर पुत्र को फंसाया है। जहां से एके-47 बरामद हुई है, वह पेट्रोल पंप छह माह से बंद है। कहा कि विधायक सुशील सिंह ने चार माह पहले ही जेल में बताया था कि आपके बेटे को फंसाया जाएगा। मुंबई में बेटी, दामाद को भी परेशान किया जा रहा है। सीएम ईमानदार है तो सीबीआई जांच कराएं। गौरतलब है कि उनके पुत्र विष्णु मिश्र की पुणे से गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ ने रिमांड पर लेकर बृहस्पतिवार को

बाद सरकारी कार्य में बाधा डालने, विधि विरुद्ध कार्य करने और अनर्गल बयानबाजी के मामले में मिश्र व अन्य पर मुकदमा दर्ज किया गया। इस दौरान लापरवाही बरतने के आरोप में मिश्र की सुरक्षा में तैनात निरीक्षक समेत आठपुलिसकमिर्यों को एसपी ने निलंबित कर दिया। आगरा जेल से पूर्व विधायक को पेशी पर लेकर आए पुलिसकमिर्यों पर कार्रवाई के लिए वहां के एसपी को पत्र लिखा गया है। विजय मिश्र पर इस समय वाराणसी की गायिका से दुष्कर्म, रिश्तेदार की संपत्ति हड़पने समेत 17 मुकदमे दर्ज हैं। ये मुकदमे वाराणसी, भदोही, प्रयागराज, मेरठ और अन्य जिलों में दर्ज हैं। में पेशी पर आए पूर्व विधायक बाहुबली विजय मिश्र ने कहा कि सरकार उनके खून की प्यासी है। परिवार को फंसाने के साजिशन तीन एके-47 राइफलें रखी गई हैं। इसमें से एक में उनके पुत्र को फंसाया गया है। अभी दो एके-47 बाकी है। विजय मिश्र की शुक्रवार को रंगदारी मामले में मिर्जापुर के प्रथम एसीजेएम आनंद उपाध्याय के अदालम में पेशी हुई। बयान देने के बाद कोर्ट से बाहर निकले विजय मिश्र ने एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार, डीजी सुधीर कुमार और भदोही के पूर्व एसपी रामबदन पर पुत्र को फंसाने का आरोप लगाया। कहा कि 11 मई को ही एके-47 दिखाकर फंसाने की साजिश थी, गोपीगंज स्थित पेट्रोल पंप से एके-47, पिस्टल और कारतूस बरामद किए थे। पैसा न देने पर फंसाया गया पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि एडीजी लॉ एंड आर्डर ने दो करोड़ और भदोही के पूर्व एसपी रामबदन ने एक करोड़ रुपये मांगे थे। रुपये न देने पर फंसाया जा रहा है। प्रशांत कुमार 100 करोड़ और पूर्व विधायक रामबदन 25 करोड़ कमा चुके हैं। विजय मिश्र ने कहा कि 1998 के बाद से पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी से कोई संबंध नहीं है। एसपी मिर्जापुर संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि कटरा कोतवाली लोहंदी से 13 वर्ष पूर्व एएसपी सिटी के गनर की हत्या कर एके-47 की लूट हुई थी।

सोनभद्र आरटीओ कार्यालय कि जांच करने पहुंची मिर्जापुर कि अधिकारियों कि टीम

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में विभिनन थाना क्षेत्रों में बंद ट्रकों को फर्जी रिलीज ऑर्डर के सहारे छुड़ाए जाने का मामला सामने आने के बाद परिवहन विभाग में राजधानी तक हलचल मची हुई है। मामला केवल फर्जी रिलीज ऑर्डर से गाडियों के रिलीज होने भर का नहीं है उसकी जांच तो अब पुलिस कर रही है क्योंकि उक्त मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। जांच के दौरान यह भी संज्ञान में यह भी आया है कि कई महीने पूर्व विभाग में समन शुल्क व अन्य मदों से आई धनराशि को कई महीने बाद जून व जुलाई में बैंक में चालान के सहारे जमा किया गया जो नियम विपरीत व वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। आज जांच करने सोनभद्र एआरटीओ कार्यालय पहुंचे मिर्जापुर आरटीओ संजय तिवारी ने पत्र प्रतिनिधियों से बात करते हुए कहा कि उक्त प्रकरण हमारे संज्ञान में है जांच की जा रही है, विभाग द्वारा विभिनन मदों में काउंटर से रसीद काटकर पैसा लेने के बाद यदि समय से उसे बैंक में जमा नहीं किया जाता तो यह वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है इसकी जांच की जा रही है, जो भी दोषी होगा जांच के बाद सामने आ जायेगा जहां तक फर्जी रिलीज ऑर्डर से गाडियों के छोड़े जाने का मामला है तो उक्त मामले की जांच पुलिस कर रही है शाम के 5 बजे के बाद ए आरटीओ आफिस में कार्य किया जाता है जब इस विषय मेंअधिकारी से सवाल किया गया तो अधिकारी का कहना है कि आफिस का कार्य कभी भी किया जा सकता है।

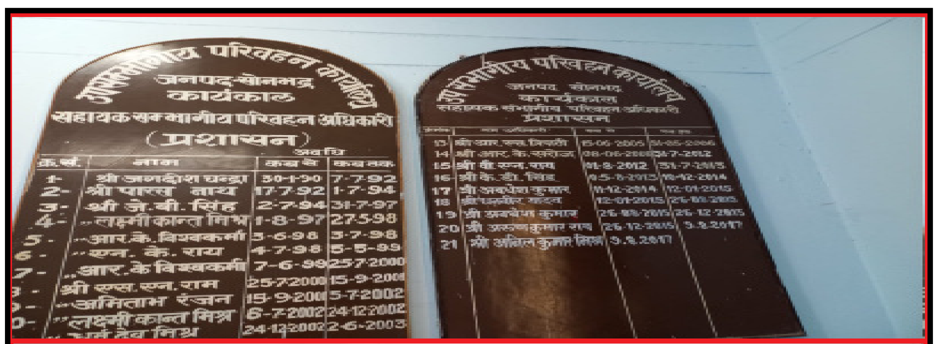

यज्ञ मंडप की परिक्रमा को उमड़ी भीड़ अखंड भंडारे में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। सर्व धर्म सम भाव के संकल्प के साथ भिखारी आश्रम रामगढ़ के गुरौटी रोड पर शिव सरोवर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में वृहस्पतिवार को पाचवें दिन शिव पुराण महायज्ञ में यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं शिव पुराण की कथा सुनकर भक्तगण भाव-विभोर हो गए। इस दौरान चल रहे अखंड भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली बाबा ने बताया कि यज्ञाचार्य एवं आचार्यी योगेश तिवारी व कौशल तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के जरिए विधिवत पूजन-अर्चन के बाद शिव पुराण महायज्ञ शुरू हुई। वातावरण शुद्ध बनाए रखने के लिए जड़ी बूटियों एवं हवन सामग्री से हवन किया गया। ताकि लोग निरोग रहें। आचार्य पंडित उमाशंकर त्रिपाठी जी महाराज के जरिए शिव पुराण कथा सुनाई गई। जिसे सुनकर भक्तगण भाव विभोर हो गए। आचार्य कौशल तिवारी द्वारा रुद्राभिषेक कराया गया। भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्या, विमला देवी, रामा देवी, कालो देवी, प्रेमावती,आशा देवी, भिखारी बाबा, रेवती तिवारी, हीरा, सत्यनारायण जायसवाल आदि भक्तगणों ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा किया। इस दौरान ॐ नमः शिवाय के उद्घोष से समूचा स्थल गुंजायमान रहा। अंत मे हवन-पूजन के बाद आरती की गई। वहीं अखंड भंडारे में भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया । आचार्य दिनेश कुमार पांडे, शैलेंद्र तिवारी, प्रमोद तिवारी, मुनन बाबा, बच्चन महाराज, परमानंद महाराज आदि लोग मौजूद रहे।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 15 अगस्त 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

भारतीय महिला क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में पहुंची बारबाडोस को 100 रन से हराया

नई दिल्ली। रेणुका ने बरपाया कहरभारतीय महिला क्रिकेट टीम राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने अपने तीसरे ग्रुप मैच में बारबाडोस को 100 रन से हरा दिया। महिला टी20 क्रिकेट में भारत की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2018 में मलेशिया को 142 रन से हराया था। भारतीय टीम इस जीत के बाद ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया पहले पायदान पर काबिज है। वहीं, बारबाडोस और पाकिस्तान की टीम बाहर हो चुकी है। बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में बारबाडोस की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 62 रन ही बना सकी। टीम इंडिया के लिए रेणुका सिंह ठाकुर ने घातक गेंदबाजी की। उन्होंने चार विकेट अपने नाम किए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उन्होंने

चार विकेट झटके थे। बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मैच में भारत की शुरुआत खराब रही। पाकिस्तान के खिलाफ विस्फोटक अर्धशतक लगाने वाली स्मृति मंधाना इस मैच में फेल हो गईं। वह दूसरे ओवर में ही आउट हो गईं। शनिका ब्रूस ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर दिया। मंधाना ने सात गेंद पर पांच रन बनाए। इस दौरान एक चौका लगा। स्मृति के आउट होने के बाद जेमिमा रोड्रिग्ज और शेफाली वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए 46 गेंद पर 71 रन की साझेदारी की। शेफाली वर्मा ने 26 गेंद पर 43 रन बनाए। उन्होंने सात चौके और एक छक्का लगाया। शेफाली का स्ट्राइक रेट 165.38 का रहा। जेमिमा के साथ गलतफहमी के कारण वह रनआउट हो गईं। शेफाली के आउट होने के कुछ देर बाद ही कप्तान हरनप्रीत कौर पवेलियन लौट गईं। उन्हें शकीरा सेलमैन ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। हरमनप्रीत खाता भी नहीं खोल पाईं। उनके आउट होने के बाद तानिया भाटिया क्रीज पर आईं, लेकिन वह भी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकीं। तानिया को मैथ्यूज ने डॉटिन के हाथों कैच कराया। वह 13 गेंद पर छह रन ही बना सकीं। मुश्किल समय में जेमिमा और दीप्ति ने टीम को संभाला। दोनों ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाए और टीम को 160 रन के पार पहुंचाया। जेमिमा और दीप्ति ने मिलकर 43 गेंद पर नाबाद 70 रन की साझेदारी की। जेमिमा 46 गेंद पर 56 रन बनाकर नाबाद रहीं।

ऑस्ट्रेलिया-दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली। खेले जाएंगे कुल नौ मैचटी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को देखते हुए बीसीसीआई ने दो बड़ी टीमों को टी20 सीरीज के लिए बुलाया है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह-छह टी20 मैच खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीमों को टी20 सीरीज के लिए बुलाया है ऑस्ट्रेलिया से सितंबर में सीरीज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी-20 मोहाली में 20 सितंबर, दूसरा टी-20 नागपुर में 23 सितंबर और तीसरा टी-20 हैदराबाद में 25 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम की वनडे सीरीज भी खेलेगी। वनडे सीरीज का पहला मैच छह अक्तूबर को लखनऊ में, दूसरा मैच नौ अक्तूबर को रांची में और तीसरा मैच 11 अक्तूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। यह वनडे सीरीज 2020 में कैंसिल हुई वनडे

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के शेड्यूल का एलान कर दिया है। टीम इंडिया अपने घरेलू सीजन की शुरुआत कंगारू टीम के खिलाफ टी20 सीरीज से करेगी। उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज खेली जाएगी। इस दौरान कुल नौ मुकाबले होंगे। टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को देखते हुए बीसीसीआई ने दो बड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलकर टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी तैयारियों को अंजाम देगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टी-20 त्रिवेंद्रम में 28 सितंबर, दूसरा टी-20 गुवाहाटी में दो अक्तूबर और तीसरा टी-20 इंदौर में चार अक्तूबर को खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों सीरीज के रिप्लेसमेंट के तौर पर खेली जाएगी। दरअसल, 2020 में कोरोना की वजह से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज को रद्द कर दिया गया था। तब दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर पहुंच गई थी। अब इसी सीरीज को इस साल अक्तूबर में खेला जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंची, कनाडा को 3-2 से हराया

नई दिल्ली। भारत ग्रुप में चार में से तीन मैच जीतने में सफल रहा है। उसने घाना को 5-0 से और वेल्स को 3-1 से हराया था। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ हार मिली थी। राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने अपने चौथे ग्रुप मैच में कनाडा को 3-2 से हराया। इस हार के बाद कनाडा की टीम का सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया है। भारतीय टीम पांचवीं बार राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची है। उसने पिछली बार 2018 (गोल्ड कोस्ट) में भी अंतिम-4 में जगह बनाई थी, लेकिन तब कांस्य पदक से चूक गई थी। भारत के लिए इस मैच में सलिमा टेटे, नवनीत कौर और लालरेम्सियामी ने गोल दागे। वहीं, कनाडा के लिए ब्रिएन स्टेयर्स और हनन ह्यून ने गोल किया।गोलकीपर सविता पूनिया की कप्तानी वाली भारतीय टीम ग्रुप में चार में से तीन मैच जीतने में सफल रही है। उसने घाना को 5-0 से और वेल्स को 3-1 से हराया था। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ हार मिली थी। सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का मुकाबला पांच अगस्त को ऑस्ट्रेलिया से होगा। अंक तालिका की स्थिति भारतीय टीम चार मैच में तीन जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही। उसके नौ अंक हैं। इंग्लैंड के भी नौ अंक हैं, लेकिन वह बेहतर गोल अंतर से पहले स्थान पर काबिज है। इसके अलावा उसे एक मैच वेल्स के साथ भी खेलना है।

दूसरी ओर, ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया 12 अंकों के साथ शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड के सिर्फ छह अंक है। वह एक मैच जीतता भी है तो उसके नौ अंक ही हो पाएंगे। ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से सेमीफाइनल में खेलेगी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला भारत से होगा।वंदना कटारिया ने पहले ही मिनट में गोल के लिए शॉट लगाया, लेकिन विपक्षी टीम की गोलकीपर ने उसे रोक लिया।

राशीफल

मेष-ःआप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-ःआज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-ःकोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-ःआज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-ःबेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-ःआज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-ःतनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-ःआज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-ःअपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-ःआज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-ःअपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-ःतनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

सूर्यकुमार यादव टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, बाबर आजम से अब सिर्फ दो अंक पीछे

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में सूर्यकुमार यादव ने खराब शुरुआत की थी। उन्होंने पहले मैच में 16 गेंद पर 24 और छह गेंद पर 11 रन बनाए थे। इसके बाद तीसरे मैच में उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाई। वह चौथे से सीधे दूसरे स्थान पर पहुंच गए। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। 22 टी20 मैच खेलने वाले सूर्यकुमार यादव पहले स्थान पर काबिज पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम से दो अंक ही पीछे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में 44 गेंद पर 76 रन की शानदार पारी खेली थी। इस पारी की बदौलत उन्होंने रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। बाबर के 818 और सूर्यकुमार के 816 अंक हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में सूर्यकुमार यादव ने खराब शुरुआत की थी। उन्होंने पहले मैच में 16 गेंद पर 24 और छह गेंद पर 11 रन बनाए थे। इसके बाद तीसरे मैच में उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाई। वह चौथे से सीधे दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने पाकिस्तान के विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान और दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम को पीछे छोड़ा है। रिजवान तीसरे और मार्कराम चौथे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के डेविड मलान पांचवें नंबर पर हैं।सूर्यकुमार ने पिछले साल भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने 20 पारियों में अब तक 38.11 की औसत से 648 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 175.60 का रहा। उन्होंने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंटब्रिज में शतक लगाकर रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई थी। 117 रन की पारी की बदौलत सूर्यकुमार 44 पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर पहुंच गए थे। दूसरी ओर, बाबर आजम तीनों फॉर्मेट में शीर्ष तीन में शामिल इकलौते बल्लेबाज हैं। वह वनडे और टी20 में पहले स्थान पर हैं। वहीं, टेस्ट में तीसरे पायदान पर काबिज हैं। बाबर का टी20 में शीर्ष स्थान खतरे में है। भारत को अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। ऐसे में सूर्यकुमार के पास बाबर से आगे निकलने का मौका होगा। वहीं, बाबर को टी20 मैच के लिए अभी इंतजार करना है। पाकिस्तान का अगला टी20 मैच भारत के खिलाफ एशिया कप में है।

सूर्यकुमार के 76 रन की बदौलत भारत ने तीसरा टी-20 जीता

नई दिल्ली। एशिया कप का शेड्यूल जारी, 28 अगस्त को भारत का सामना पाकिस्तान से, यूएई में होगा टूर्नामेंटएशिया कप 2022 में भारत और पाकिस्तान का मैच 28 अगस्त को खेला जाएगा। टीम इंडिया अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ ही दोनों टीमों को ग्रुप ए में रखा गया है। ग्रुप ए में कुल तीन टीमें हैं, भारत और पाकिस्तान के अलावा क्वालिफायर राउंड में जीतने वाली टीम इस ग्रुप में जगह बनाएगी। श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को ग्रुप बी में रखा गया है। इस टूर्नामेंट में 27 अगस्त से

खेलेगी। इन दोनों टीमों को ग्रुप ए में रखा गया है। एशिया कप 2022 का शेड्यूल जारी हो चुका है। बीसीसीआई सचिव और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने सोशल मीडिया पर पूरा शेड्यूल जारी किया है। 27 अगस्त से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान से है। इन 11 सितंबर के बीच कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इस बार एशिया कप का आयोजन यूएई में किया जाएगा। पहले श्रीलंका को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी, लेकिन वहां के हालात खराब होने की वजह से अब यूएई को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे के यहां नहीं खेलना चाहती है। ऐसे में यूएई के अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश ही मेजबानी के दावेदार थे और श्रीलंका को इस टूर्नामेंट की मेजबानी दी गई थी। श्रीलंका से यह टूर्नामेंट छिनने के बाद यूएई को इसकी मेजबानी मिली है। एशिया कप इस बार टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। 1984 में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 2014 तक 50 ओवर के फॉर्मेट में खेला गया। फिर 2016 में टी-20 विश्व कप की वजह से इसे टी-20 फॉर्मेट में खेला गया था तब महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में भारतीय टीम ही चैंपियन बनी थी। 2018 में एक बार फिर इस टूर्नामेंट को वनडे फॉर्मेट में खेला गया और रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ही चैंपियन बनी थी। अब इस साल टी-20 विश्व कप की वजह से एक बार फिर से यह टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट के 13 संस्करणों में हिस्सा ले चुकी है और सबसे ज्यादा सात बार चैंपियन बनी है। इसके अलावा टीम तीन बार रनर-अप भी रही। दूसरे स्थान पर श्रीलंका है। श्रीलंकाई टीम पांच बार चैंपियन बनी है और छह बार रनर अप रही है। पाकिस्तान की टीम ने दो बार यह खिताब जीता है और दो बार वह रनर अप रही है। अगले साल फिर से यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में लौट आएगा।

पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए किया टीम का एलान, चोटिल अफरीदी टीम में

नई दिल्ली।यह स्टार गेंदबाज बाहरपाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस महीने के अंत में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए टीम का एलान कर दिया है। पीसीबी शफीक, इमाम उल हक, मोहम्मद हारिस, सलमान अली और जाहिद महमूद हैं। आसिफ अली, हैदर अली, इफ्तिखार अहमद और उम्मान कादिर को एशिया कप के

ने एशिया कप के साथ-साथ नीदरलैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा की। बाबर आजम की कप्तानी वाली टीम में स्टार तेज गेंदबाज हसन अली को नहीं चुना गया है। उन्होंने नीदरलैंड दौरे के साथ-साथ एशिया कप से भी बाहर रखा गया है। दूसरी ओर, श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में चोटिल होने वाले शाहीन अफरीदी को पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद चुना गया है। पाकिस्तान की टीम नीदरलैंड में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। उस दौरे के लिए चुने गए पांच खिलाडि़यों को एशिया कप में खेलने का मौका नहीं मिला। ये खिलाड़ी अब्दुल्ला लिए चुना गया है। शादाब खान टीम के उपकप्तान होंगे। नीदरलैंड दौरे के लिए पाकिस्तान की टीम बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, अब्दुल्ला शफीक, इमाम उल हक, मोहम्मद हारिस, सलमान अली, जाहिद महमूद, फखर जमान, हारिस रऊफ, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन शाह आफरीदी, शाहनवाज दहानी। एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीमः बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, आसिफ अली, हैदर अली, इफ्तिखार अहमद, उस्मान कादिर, फखर जमान, हारिस रऊफ, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन शाह आफरीदी, शाहनवाज दहानी। भारत से होगा पहला मुकाबला 27 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप में पाकिस्तान का पहला मुकाबला भारत से होगा। इन दोनों टीमों को ग्रुप ए में रखा गया है। ग्रुप ए में कुल तीन टीमें हैं, भारत और पाकिस्तान के अलावा क्वालिफायर राउंड में जीतने वाली टीम इस ग्रुप में जगह बनाएगी। श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को ग्रुप बी में रखा गया है। इस टूर्नामेंट में 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच कुल 13 मैच खेले जाएंगे। यूएई में होगा टूर्नामेंट इस बार एशिया कप का आयोजन यूएई में किया जाएगा। पहले श्रीलंका को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी, लेकिन वहां के हालात खराब होने की वजह से अब यूएई को इस टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे के यहां नहीं खेलना चाहती हैं। ऐसे में यूएई के अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश ही मेजबानी के दावेदार थे और श्रीलंका को इस टूर्नामेंट की मेजबानी दी गई थी। श्रीलंका से यह टूर्नामेंट छिनने के बाद यूएई को इसकी मेजबानी मिली है।

रोहित नहीं चले तो 20 ओवर भी नहीं खेल पाया भारत

नई दिल्ली। कप्तानी में भी फ्लॉप रहे हिटमैनदूसरे टी20 में ओबेड मैकॉय ने भारत की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। वहीं, गेंदबाजी के दौरान भी टीम इंडिया कुछ खास नहीं कर पाई। इस मैच में रोहित की कप्तानी भी समझ से परे थी। भारत आक्रामक होकर खेलती है और रोहित के आउट होने के बाद भी बल्लेबाज बड़े शॉट खेलते रहे। बासेतेरे की पिच में गेंद अच्छी गति और उछाल के साथ बल्ले पर आ रही थी, लेकिन भारतीय बल्लेबाज जोर लगाकर शॉट खेलना चाहते थे। इसी

और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज ने पांच विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही कैरिबियाई टीम ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और ओबेड मैकॉय ने पहली ही गेंद में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पवेलियन भेज दिया। यहीं से समझ आ गया था कि इस मैच में भारत को मुश्किल होने वाली है। हालांकि, टीम इंडिया अब ज्यादा वजह से एक-एक कर भारत के विकेट गिरते रहे। 19.4 ओवर में पूरी टीम 138 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज ने 19.2 ओवर जरूर लिए, लेकिन आसानी से लक्ष्य का पीछा कर लिया। मैच की पहली गेंद में कप्तान रोहित के आउट होते ही टीम इंडिया बैकफुट पर आ गई थी। इसके बाद हार्दिक और जडेजा ने 43 रन की साझेदारी की तो लगा कि भारत मैच में वापस लौटेगा, लेकिन होल्डर ने हार्दिक को आउट कर भारत को वापसी से रोक दिया।

सम्पादकीय

मानसून का देश में आना उत्तराखंड के पहाड़ों में कठिनाइयों से सामना

मानसून का आना देश में सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन अति वर्षा से कई इलाकों में बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण स्थानीय नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए आर्थिक रूप से मानसून अहम तो है, लेकिन इससे उनकी दैनिक दिनचर्या सबसे अधिक प्रभावित होती है। अत्यधिक वर्षा से ग्रामीण क्षेत्र अन्य इलाकों से कट कर रह जाते हैं। इसकी मुख्य वजह सड़क का नहीं होना है। कच्चे और फिसलन भरे रास्तों पर चलना दूभर हो जाता है। वैसे तो पहाड़ी क्षेत्र का नाम सुनते ही न जाने कितनी कल्पनाएं हमारे दिमाग में बन जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्र है, तो ठंडी हवाएं चलती होंगी, शुद्ध वातावरण होगा, गर्मी का नामों-निशान नहीं होगा, प्रतिदिन बारिश से मौसम सुहावना रहता होगा इत्यादि। परंतु कल्पनाओं से हकीकत बिल्कुल विपरीत है। जब यहां लगातार बारिश होती है, तो लोगों की जान मुसीबत में आ जाती है। कई बार बादल फटने अथवा जमीन धंसने की घटनाओं से जान-माल का काफी नुकसान होता है। इस समय भी पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में अत्यधिक बारिश तबाही मचा रही है। दूर-दराज के कई गांव ऐसे हैं, जो अन्य इलाकों से कट गए हैं, क्योंकि पक्की सड़क नहीं होने के कारण वहां पहुंचना मुश्किल हो गया है। बिजली और संचार की व्यवस्था भी लगभग ठप हो गई है। ऐसे में कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि वहां का सामाजिक जीवन किस प्रकार कष्टकर होता होगा बच्चों की पढ़ाई कितनी प्रभावित होती होगी? उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित कपकोट ब्लॉक का बघर गांव, जो पहाड़ की चोटी पर बसा है। यह पहाड़ पर बसा आखिरी इंसानी गांव है। यहां पर आकर सीमा समाप्त हो जाती है। इसके आगे कोई गांव नहीं है और यहां तक सड़क की कोई सुविधा नहीं है। इससे ग्रामीणों, विशेषकर स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गांव की किशोरियां-नेहा और बबली कहती हैं, हमारा स्कूल गांव से चार किलोमीटर दूर है, जहां सड़क की सुविधा भी नहीं है, जिस कारण हमें जंगल के रास्ते से स्कूल जाना पड़ता है। इन्हीं परेशानियों के कारण न तो हम समय से स्कूल पहुंच पाते हैं और न ही घर, जिससे हमारी पढ़ाई पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। स्कूल जाते समय जब हमें जंगलों से गुजरना पड़ता है, तो जानवरों का भी भय बना रहता है। अगर ऐसे में कोई जंगली जानवर आ जाए, तो हम कहीं भाग भी नहीं सकते हैं। वह बताती हैं कि जब बारिश होती है, तो जंगल के कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, ऐसे में हमें डर भी लगता है कि कहीं हम फिसल कर खाई में गिर न जाएं। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल आने-जाने के लिए सड़क मिल जाए, तो हमें एक सुरक्षित रास्ता मिल जाएगा, जिससे हम स्कूल और घर समय पर पहुंच सकते हैं। सड़क न होने से परेशान गांव वासी लाल सिंह और पवन सिंह का कहना है कि हम मजदूरी करने वाले लोग हैं, हमें रोज काम करने के लिए गांव से बाहर जाना पड़ता है। गांव में, जहां थोड़ी-बहुत सड़क ठीक है, वह भी बारिश के दिनों में खराब हो जाती है। रास्ता सही न होने के कारण हमें राशन और खाने-पीने की सामग्री आदि लाने में भी मुश्किल आती है। वहीं बुजुर्ग महिला जसुली देवी का कहना है कि हम भी अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, लेकिन गांव में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। टूटी-फूटी सड़कों के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों और गांव के बुजुर्गों को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क न होने के कारण गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती है, जिससे मरीजों को चारपाई पर लिटाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है, जो वर्षा के दिनों में सबसे खतरनाक परिस्थिति होती है। राजकीय इंटर कॉलेज, बघर के शिक्षक प्रताप सिंह का कहना है कि यह कॉलेज गांव से चार किलोमीटर दूर है। यहां बहुत दूर-दूर से बच्चे आते हैं। बरसात में अधिक बारिश होती है, तो बच्चे आना बंद कर देते हैं। यह वह गांव है, जहां लोग सड़कों पर चलने के लिए सड़क ढूंढते हैं। हालांकि गांव वालों का विश्वास है कि गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछाने वाली सरकार एक दिन उनके गांव तक भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा जरूर पहुंचाएगी।

मानव स्वास्थ्य के लिए नई तकनीकों से चिकित्सा में क्रांति से जटिल रोगों के उपचार की उम्मीद

रेडियोलॉजी चिकित्सा विज्ञान) में आधुनिक तकनीकों का काफी ज्यादा प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म की मदद से असामान्य तस्वीरों के बारे में सूचना हासिल की जा सकती है। नई तकनीकों के आविष्कार से चिकित्सा जगत में ऐसी क्रांति हुई है, जिसने जटिल रोगों के उपचार और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के नए द्वार खोल दिए हैं। इससे आधुनिक चिकित्सा पद्धति (स्दीह सम्महा) को बहुत मदद मिली है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल ऑपरेशन थियेटरों में होता है और इससे सर्जरी करने वाले डॉक्टरों को बेहतर अनुमान हासिल करने में मदद मिलती है। आभासी तकनीक का इस्तेमाल मानसिक रोगों के इलाज के लिए कृत्रिम माहौल बनाने में किया जा सकता है। एआई का दायरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यह कम समय और कम लागत में वह काम कुशलतापूर्वक करता है, जो मनुष्य कर सकता है। एआई विभिनन लक्षणों की निगरानी, आपातकालीन देखभाल में सहायता के माध्यम से बीमारियों का पता शुरुआती चरणों में ही लगाने में मदद करता है। रोबोट कठिन और आवश्यक सर्जरी में डॉक्टरों की मदद कर रहे हैं। रोबोटिक्स पुनर्वास केंद्रों में भी व्यायाम और उपचार के साथ व्यक्तियों की सहायता करते हैं। ट्रामा, ट्यूमर और संक्रमण की वजह से होने वाली हड्डी संबंधी बीमारी के इलाज में 3-डी प्रिंटिंग की वजह से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है। दरअसल, 3-डी प्रिंटिंग के जरिये छिद्रयुक्त कस्टमाइज प्रत्यारोपण संभव होता है और इससे अंगों की सुरक्षा में मदद मिलती है। कई मामलों में अंग-विच्छेदन को रोका जा सकता है। जीनोम अनुक्रमण तकनीक की मदद से शुरुआती चरण में ट्यूमर का पता लगाया जा सकता है। गणितीय मॉडल के आधार पर सफलता/जटिलताओं आदि के बारे में भविष्यवाणी करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग का अहम योगदान रहा है।

एन एच आर सी सी बी द्वारा अशोक होटल दिल्ली में अंतराष्ट्रीय मानवधिकार अधिवेशन संपन्न

शांति सबसे जरूरी इसके बिना विकास संभव नहीं : केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ह्यूमन राइटस को मजबूत करने के लिए हमारी सरकार दस कदम आगे बढ़ेगी :रामदास आठवले मानवधिकार की जागरूकता आम व्यक्ति तक की जरूरत ,एन एच आर सी सी बी की कार्य सराहनीय : जस्टिस एम एम कुमार सामाजिक व मानवाधिकार उत्थान हेतु सामुहिक पहल की जरूरत : ए एस जी विक्रमजीत बनर्जी शिक्षा में मानवधिकार को शामिल करने से बढ़ेगी मानवधिकार जागरूकता : कुलपति अजीत सिन्हा जहाँ अन्याय व अत्याचार हो रहा तो मानवधिकार को करें अपील :ज्ञानेश्वर मुले एन एच आर सी सी बी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार ने किया अंतराष्ट्रीय मानवधिकार अधिवेशन की अधच्क्षता! अंतराष्ट्रीय मानवधिकार अधिवेशन में केंद्रीय मंत्री , सांसद ,जज ,आयोग के सदस्य , ब्यूरोक्रेट्स अम्बेसडर ,मीडिया ,समेत कई बड़े चेहरे हुए शामिल !

नई दिल्ली राष्ट्रीय मानवधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो (एन एच आर सी सी बी) के द्वारा 30 जुलाई दिन शनिवार को दिल्ली के होटल अशोक में अन्तराष्ट्रीय मानवधिकार अधिवेशन का आयोजन किया ! इस अधिवेशन की अधच्क्षता एन एच आर सी सी बी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार करेंगे ! इस अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि व अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास अठावले , जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग के सदस्य जस्टिस एम एम कुमार , पूर्व कॉउंसल जनरल ऑफ इंडिया न्यूयॉर्क एवं सदस्य राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग डॉ दयानेस्वर मूलय , अडिशनल सॉलिटर जनरल ऑफ इंडिया सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया विक्रमजीत बनर्जी ,राँची विश्विद्यालय के कुलपति डॉअजीत कुमार सिन्हा , हज़ारीबाग़ के पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ,ग्लोबल अम्बेसडर ऑफ पीस आचार्य डॉ लोकेश मुनि एवं एन एच आर सी सी बी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार शामिल हुए ! उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए रामदास अठावले ने कहा कि शांति के बिना विकास संभव नही है सरकार एवं संगठनों को सामुहिक पहल करते हुए शांति स्थापना पर जोर देने की जरुरत है मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तरफ से आश्वस्त करना चाहता हूँ कि हम मानवधिकार की रक्षा हेतू दस कदम आगे बढ़ कर काम करेंगे "इस अधिवेशन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग के सदस्य जस्टिस एम एम कुमार ने कहा कि मानवधिकार की जागरूकता आम

जनमानस की जरूरत है ऐसे में एन एच आर सी सी बी के द्वारा किये रहे कार्य सराहनीय है और बेहद ही प्रासंगिक भी , जस्टिस कुमार ने कहा कि पुलिस के अमानवीय करवाई बड़े मानवधिकार उलंघन के मामले बनते हैं जिस पर रोक की जरूरत है ईस अन्तराष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए एडिशनल सॉलिटर जनरल ऑफ इंडिया विक्रमजीत बनर्जी के कहा कि सामाजिक एवं मानवधिकार उत्थान हेतु सामुहिक रूप से पहल करने की जरूरत है और मानव के अधिकारों को संरक्षित करने से मानव समाज का विकास होगा ! इस अधिवेशन को संबोधित करते हुए राँची विश्विद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि मानवधिकार की रक्षा संरक्षण बेहद ही जरूरत है और ऐसे में शिक्षा में मानवधिकार का शामिल होना मानवधिकार को रक्षा करेगी और हम सभी के कर्तव्यों को पूर्ण करेगी ! आचार्य लोकेश मुनि ने संबोधित करते हुए कहा कि की यह अधिवेशन एक उत्कृष्ट पहल है शांति एवं सामजिक संकल्प से हम मानवधिकार की रक्षा कर सकते हैं ! पूर्व सांसद श्री भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने संबोधित करते हुए कहा मानवधिकार की जागरूकता एकदम ग्रामीण स्तर पर करने की जरूरत है हम समस्त लोगों का कर्त्तव्य है कि दबे कुचले शोषितों के अधिकारों को संरक्षित करें ! इस अधिवेशन के प्रथम पैनल में मानवधिकार अपराध नियंत्रण विषय पर चर्चा हुई जिसमें चीफ पैनल के रूप में दिल्ली बार एसोसिएशन के चेयरमैन मुरारी तिवारी एवं पैनलिस्ट के रूप में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी रोहित पांडेय ,स्टैंडिंग कौंसिल एम सी डी दिल्ली मुकेश गुप्ता ,ऐडवोकेट सुनील गुप्ता ,तिहार जेल के पूर्व ला अधिकारी सुनील गुप्ता उपस्थित रहे एवं मानवधिकार एवं अपराध नियंत्रण पर विस्तृत चर्चा किया एवं एक मानवधिकार हनन एवं अपराध नियंत्रण पर रोकथाम पर चर्चा किया! दूसरा पैनल महिला एवं बाल अधिकार पैनल का चेयर उत्तरप्रदेश राज्य महिला आयोग अधच्क्ष अंजू चौधरी ने किया जिसमें पैनलिस्ट के रूप में स्टैंडिंग कॉउंसल ऑफ इंडिया ज्योति जोंगलुलु, एमिटी ला स्कूल नोएडा के एडिशनल डायरेक्टर शेफाली रायजादा , छत्तीसगढ़ बाल अधिकार आयोग के पूर्व सदस्य प्रदीप कौशिक , सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विशाल मेहन ने इस विषय पर प्रमुखता से चर्चा किया एवं बाल एवं महिला अधिकार को संरक्षित करने पर जोर दिया ! तीसरा सत्र आदिवासी एवं देशज अधिकार पैनल चेयर उतराखंड सरकार के डिप्टी अंटोनी जनरल मनोज गोरकेला ने किया एवं पैनलिस्ट के रूप में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष युगन्धरा पवार , बी एस एफ के उप कमांडेंट श्री ए के पासवान ,पार्लमेंट ऑफ इंडिया के अंडर सेक्रेटरी शशि तनवर , सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय एवं छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के अधिवक्ता संजय अग्रवाल ने इस विषय पर प्रमुखता से चर्चा एवं आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने पर चर्चा किया ! चौथा पैनल शिक्षा का अधिकार पर चर्चा हुआ जिसमे मुख्य पैनल के रूप में राँची विश्विद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा , कांसल ऑफ गोआ प्रशांत पटेल, डी डी न्यूज़ के एग्जीक्यूटिव एडिटर राजेश मिश्रा , शिवपुरी यूनिवर्सिटी मध्यप्रदेश के डीन प्रोफ दिनेश बाबू ने भाग लिया एवं शिक्षा के अधिकार की जीवंतता पर चर्चा हुई और शिक्षा के अधिकार को हर जन जन का अधिकार बताते हुए इसे संरक्षित करने पर चर्चा किया ! इस अंतराष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र में बतौर मुख्यातिथि व अतिविशिष्ट अतिथि कर रूप में राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग के सदस्य एवं पूर्व सचिव भारत सरकार डॉ ज्ञानेश्वर मूलय आयोडीन मैन ऑफ इंडिया से प्रशिद्ध एम्स दिल्ली के पद्मश्री चंद्रकांत पांडव , राँची विश्विद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा , रेवांडा के इंडिया ब्रांड अम्बेसडर नेयसा संघावी , उतराखंड के राज्यमंत्री कैलाश चन्द्र गहतोड़ी एवं प्रशिद्ध लोकगायक मैथली ठाकुर शामिल हुए ! इस सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग के सदस्य ज्ञानेश्वर मुले ने कहा कि चलो आज से हम मानवधिकार के बारे में अलग तरीके से सोचते हैं ग़रीबी बेरोजगारी जैसे समस्याओं दे निजात पाने की जरूरत है जहाँ मानवधिकार हनन एवं शोषण हो रहा है वहाँ मानवधिकार को जरूर अपील करें राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग हमेशा आपके साथ है ! पद्मश्री चंद्रकांत के संबोधित करते हुए कहा कि मानवधिकार मनुष्य का अधिकार है जिसे सभी अपना दायित्व समझ कर जागरूक करें !वहीं रेवांडा के इंडिया अम्बेसडर नेयसा ने संबोधित करते हुए कहा कि मानवधिकार हनन विश्व के लिए बड़ा चैलेंज का विषय बन चुका है और इसे रोकना हम सभी का कर्तव्य है ! प्रशिद्ध लोक गायक मैथली ठाकुर ने संबोधित करते हुए कहा कि मानवधिकार की कार्य ग्रामीण स्तर पर बेहद जरुरी ही और बेहद ख़ुशी हो रही कि एन एच आर सी सी बी ग्रामीण स्तर पर कार्य कर रही है! इस अंतराष्ट्रीय मानवधिकार अधिवेशन की अधच्क्षता करते हुए एन एच आर सी सी बी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार ने समस्त उपस्थित अतिथियों एवं समस्त भारत के एन एच आर सी सी बी प्रतिनिधियों का स्वागत एवं धन्यवाद दिया ! डॉ रणधीर ने अपने स्वागत व समापन अदयक्षता को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह अधिवेशन मानवधिकार के क्षेत्र में कार्य कर रहे हज़ारों कार्यकर्तायों को को नई जुनून प्रेरणा देगी हम इस अधिवेशन के माध्यम से एक नई इतिहास की और अग्रसर होंगे ! मानवधिकार एवं समाज कल्याण हेतु केंद्रीय मंत्री समेत अन्य हुए सम्मानि इस अधिवेशन के दौरान मानवधिकार एवं समाज कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे छह नामचीन हस्तियों को अंतराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया !अंतराष्ट्रीय सम्मान नेल्सन मंडेला ह्यूमन राइट्स अवार्ड से आचार्य डॉ लोकेश मुनि एवं स्वीडन के नागरिक डॉ सोनिया, राष्ट्रीय अवॉर्ड महात्मा गाँधी ह्यूमन राइट्स अवार्ड से राँची विश्विद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा एवं डी डी न्यूज़ के राजेश मिश्रा एवं राष्ट्रीय अवार्ड भीम राव अम्बेडकर ह्यूमन राइट्स अवार्ड से केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले एवं सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट पी आई एल मैन ऑफ इंडिया से विख्यात अश्विनी उपाध्याय को सम्मानित किया गया ! इस दौरान कम उम्र में लोककला संस्कृति में उत्कृष्ट योगदान हेतू प्रशिद्ध लोक गायक मैथली ठाकुर को एन एच आर सी सी बी इंडिया प्राइड अवार्ड से सम्मानित किया गया । इस अधिवेशन के दौरान एन एच आर सी सी बी के देश भर के कई पदाधिकारियों ,जिला टीम, प्रदेश टीम को उत्कृष्ट सेवा हेतू एन एच आर सी सी बी नेशनल ह्यूमन राइट्स अवार्ड ,एन एच आर सी सी बी लीडरशिप अवार्ड , एन एच आर सी सी बी स्पेशल अवार्ड से लगभग 80 पदाधिकारियों एवं टीम को सम्मानित किया गया ! इस अधिवेशन के समापन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष के उपस्थित में समस्त प्रतिनिधि को सर्टिफिकेट एवं मोमेंटो दे कर सम्मानित किया गया ! इस अधिवेशन में एन एच आर सी सी बी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रणधीर कुमार दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अभिरंजन कुमार महासचिव हिमांशू शर्मा समेत राष्ट्रीय पदाधिकारी एकता गुप्ता , संदीप कुमार ,विकास तिवारी ,सौम्या रंजन प्रधान ,गिरीश कुमार चंद्रा , प्रवीण राय ,प्रभात मिश्रा ,मनोज कुमार ,संजय सिंह राज्य पदाधिकारी रोहित झा, जतिन्दर पाल सिंह ,दिलीप पाटनी , प्रेम नारायण आर्य, शिशिर कुमार गुप्ता, सिकंदर वर्मा, जितेंद्र वर्मा समेत अन्य की भूमिका सराहनीय रही।

संस्कृत भाषा मे लिखित श्लोक धर्मो रक्षति रक्षित:

जिसका वर्णन महाभारत व मनुस्मृति में मिलता है का अर्थ है कि जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है और पूर्ण श्लोक ठधर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः/तस्माद्धर्मो न हन्तव्यो मा नो धर्मो हतोऽवधीत्ठ का अर्थ है जो मनुष्य धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। धर्म की रक्षा करने वाला मनुष्य कभी पराजित नहीं होता, क्योंकि उसकी रक्षा स्वयं धर्म (ईश्वर, मनुष्य, प्रकृति, ब्रह्माण्ड, इत्यादि) करता है। आज जब मानव प्राकृतिक असंतुलन की वजह से अनगिनत गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है तो ठीक इसी श्लोक की भाँति ठप्रकृति रक्षति रक्षितः ठ मतलब जो प्रकृति की रक्षा करता है, प्रकृति भी उसी की रक्षा करती है, की महती आवश्यकता है। मानव जीवन की उत्पत्ति के साथ ही प्रकृति ने मनुष्य को उसकी जरूरत की हर चीज़ मुहैया कराई, लेकिन तदनुपरांत मनुष्य की जरूरतें ना ख़त्म होने वाली ख़्वाहिशों और दिखावट में तब्दील होने लगी; मनुष्य और प्रकृति के बीच एक जंग छिड़ गई, जिसका कुपरिणाम दोनों को ही झेलना पड़ रहा है। प्रकृति अपने दर्द का निवारण खुद कर सकती है लेकिन उसकी समय अवधि ज्यादा होती है इसलिए हम मानव जाति से यह अपेक्षा की जाती है कि हम प्रकृति को मलहम लगाने में अपने स्वार्थ से उठकर मदद करें ताकि प्रकृति हमें हमारी जरूरत की चीज़ें - साफ़ हवा, पानी, अनन आदि बिना किसी भेदभाव के प्रदान करती रहे। दुनिया का हर धर्म शांति का पैरोकार है कम से कम तब जब प्रकृति संरक्षण की बात होती है। विश्व के सभी धर्मों में पर्यावरण को संरक्षित करने की बात कही गई है। प्रकृति के संरक्षण के लिये विभिनन धार्मिक समूहों द्वारा वैश्विक या स्थानीय स्तर पर कई प्रयास किये जा रहे हैं। पाकिस्तान में स्थित कब्रगाहों में प्राचीन वृक्षों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं क्योंकि इनको काटना गुनाह माना जाता है, लेबनान के मैरोनाईट चर्च ने हरीसा के जंगलों को पिछले 1,000 वर्षों से संरक्षित रखा है, थाईलैंड के बौद्ध भिक्षुओं ने संकटग्रस्त जंगलों की रक्षा हेतु वहाँ छोटे-छोटे विहारों की स्थापना की है तथा उसको पवित्र जंगल घोषित किया गया है। इसके अलावा जर्मनी के 300 चर्चों ने स्थानीय समुदायों के सहयोग से सौर ऊर्जा प्रणाली अपनाई है तथा वृहत स्तर पर इसका लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। अमेरिका में रहने वाले अफ्रीकी मूल के लोगों द्वारा क्वान्ज़ा त्योहार प्रकृति संरक्षण का एक उपयुक्त उदाहरण है। वर्ष 1986 में इटली के शहर असीसी में विश्व वन्यजीव कोष द्वारा 'असीसी घोषणा' का आयोजन किया गया। इसमें विश्व के पाँच प्रमुख धर्मों (ईसाई, हिंदू, इस्लाम, बौद्ध तथा यहूदी) के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था ताकि वे इस मुद्दे पर सुझाव प्रस्तुत कर सकें कि उनके धर्मों में प्रकृति संरक्षण हेतु क्या प्रावधान है तथा किस प्रकार वे योगदान कर सकते हैं। वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिनन धर्मों के सहयोग से अलायंस ऑफ रिलिजन एंड कंजर्वेशन नामक संगठन की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी। विश्व वन्यजीव कोष द्वारा तथा अलायंस ऑफ रिलिजन एंड कंजर्वेशन के सहयोग से 'लिविंग प्लैनेट कैंपेन' नामक एक मुहिम शुरू की गई। इसके तहत विश्व के प्रमुख धर्मों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की तथा उनकी इस प्रतिबद्धता को 'जीवंत पृथ्वी के लिये पवित्र उपहार' का नाम दिया गया। इस अभियान के तहत वकालत, शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि, संपत्ति, जीवनशैली तथा मीडिया के क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना शामिल है। इस प्रतिबद्धता के तहत जैन धर्म ने अंतर्राष्ट्रीय जैन व्यापार पुरस्कार प्रारंभ किया है। इसके तहत उन कंपनियों को पुरस्कृत किया जाता है जिन्होंने पर्यावरणीय प्रभावों को कम करते हुए प्रगति की है। इसी प्रकार स्वीडन के लूथरन चर्च के सहयोग से स्वीडन में नेशनल फॉरेस्ट स्टीवार्डशिप काउंसिल की स्थापना की गई। भारतीय परिप्रेक्ष्य की बात करें तो लोक संस्कृति में मानव की भूमिका प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षक/प्रबंधक के रूप में मानी गई है। इसमें मानव के साहचर्य के हजारों सन्दर्भ हैं और पर्यावरण के साथ उत्तम सामंजस्य रखने की सीख दी गई है। पेड़ों की पूजा करने से लेकर धरती व नदियों को मां के पवित्र सम्बोधन से नवाजने का संस्कार भी है। हमारे लोकगीत, लोक नृत्य, लोक कथाएं, लोक त्योहार - ये सब प्रकृति-प्रेम को प्रकट करने वाले हैं। मनोरंजन, खेतों में बुवाई, धान की कटाई आदि अवसरों पर हमारे पुरखे मिल-जुलकर जल, पृथ्वी, वायु अगिनऔर आकाश की महिमा का बखान करते थे। कृतज्ञता का भाव उनके रोम-रोम से प्रकट होता था। लोक कहावतों व लोक कथाओं पर नज़र डालें तो उनकी सीख में पर्यावरण के प्रति श्रद्धा का भाव झलकता है। रामायण, महाभारत, गीता, वायु-पुराण, स्कन्द पुराण, भविष्य पुराण, वराह पुराण, ब्रह्म पुराण, मार्कण्डेय पुराण, मत्स्य पुराण, गरुड़ पुराण, श्री विष्णु पुराण, भागवत पुराण, श्रीदेवी भागवत पुराण वेद, उपनिषद तथा अन्य धार्मिक ग्रन्थ, पेड़-पौधे, जीव-जन्तुओं पर दया करने की सीख देते हैं। मानसिक शान्ति, शारीरिक सुख, इन सबकी पूर्ति के साधन प्राकृतिक सम्पदा ही है। गेहूँ, जौ, तिल, चना, चन्दन, लाल पुष्प, केसर, खस, कमल, ताम्बूल, श्वेत पुष्प, बांस, मिट्टी, फल, तुलसी, हल्दी, पीत-पुष्प, शहद इलाइची, सौंफ, उड़द, काले-पुष्प, सरसों के फूल, मुलेठी देवदार, बिल्व वृक्ष की छाल, आम, पला, खैर, पीपल, गूलर, दूब, कुश आदि को संरक्षित रखने के उद्देश्य से इन्हें किसी दिन,त्योहार, देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से जोड़ा गया है। औषधि के रूप में फलों तथा जड़ी-बूटियों की रक्षा करने की बात कही गयी है और इन्हें घरों के निकटस्थ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ रखने की सलाह दी गयी है, जैसे- अंगूर, केला, अनार, सेब, जामुन, प्याज, लहसुन, गाजर, मूली, नींबू, अदरक, आंवला, घीया, बादाम, आम, टमाटर, अखरोट, अजवाइन, अनानास, अश्वगंधा, गिलोय, तम्बाकू, तरबूज, तुलसी, दालचीनी, धनिया, पुदीना, संतरा, पान, पीपल, बबूल, ब्राह्मी बूटी, काली मिर्च, लाल मिर्च, लौंग, हरड़, बहेड़ा आदि अनेक बूटियों का प्रयोग करने से मनुष्य निरोग रह सकता है। हमें प्रकृति संरक्षण सीखने के लिए किसी अन्य देश या तकनीक की आवश्यकता नहीं है। हमारे धर्म, शास्त्रों में यह बहुतायत में लिखा गया है और हमारे पूर्वजों ने प्रकृति संरक्षण के अनेकों बेहतरीन उपाय बताए हैं जिसकी लिए ज्यादा धन की भी आवश्यकता नहीं है। उन्होंने इसे हमारी आदत में शामिल कर के एक रोज़मर्रा की चीज़ की तरह पेश किया था ना कि आज की तरह किसी ख़ास दिन पर वृक्षारोपण कार्यक्रम की तरह। संरक्षण में सिर्फ पेड़ लगाना ही नहीं बल्कि उनकी जान बचाना भी शामिल है और यह किस तरह किया जा सकता है, यह हमें विरासत में मिली है जिसे हमें पुनर्जीवित करने की और उन्हें संभालने की ख़ास जरूरत है। हमारे ऋषि जानते थे कि पृथ्वी का आधार जल और जंगल है. इसलिए उन्होंने पृथ्वी की रक्षा के लिए वृक्ष और जल को महत्वपूर्ण मानते हुए कहा है- 'वृक्षात् वर्षति पर्जन्यः पर्जन्यादनन सम्भवः' अर्थात् वृक्ष जल है, जल अनन है, अनन जीवन है। जंगल को हमारे ऋषि आनंददायक कहते हैं- 'अरण्यं ते पृथिवी स्योनमस्तु' यही कारण है कि हिन्दू जीवन के चार महत्वपूर्ण आश्रमों में से ब्रह्मचर्य, वानप्रस्थ और संन्यास का सीधा संबंध वनों से ही है। हम कह सकते हैं कि इन्हीं वनों में हमारी सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन हुआ है। हिन्दू संस्कृति में वृक्ष को देवता मानकर पूजा करने का विधान है। वृक्षों की पूजा करने के विधान के कारण हिन्दू स्वभाव से वृक्षों का संरक्षक हो जाता है। सम्राट विक्रमादित्य और अशोक के शासनकाल में वन की रक्षा सर्वोपरि थी। वैदिक काल में जीवित वृक्षों को काटना प्रतिबंधित था और ऐसे कृत्यों के लिए दंड निर्धारित किया गया था। उदाहरण के लिए, याज्ञल 6ए, स्मृति, ने पेड़ों और जंगलों को काटने को दंडनीय अपराध घोषित किया है और 20 से 10-रानी का दंड भी निर्धारित किया है। चाणक्य ने भी आदर्श शासन व्यवस्था में अनिवार्य रूप से अरण्यपालों की नियुक्ति करने की बात कही है। पर्यावरण संरक्षण के कानून की दृष्टि से मुगल सम्राटों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है उनके महलों के चारों ओर फलों के बागों और हरे भरे पार्कों की स्थापना, केंद्रीय और प्रांतीय मुख्यालय, सार्वजनिक स्थान, नदियों के किनारे और घाटी में वे गर्मी के मौसम के स्थानों या अस्थायी मुख्यालय के रूप में इस्तेमाल करते थे। हमारे महर्षि यह भली प्रकार जानते थे कि पेड़ों में भी चेतना होती है, इसलिए उन्हें मनुष्य के समतुल्य माना गया है। ऋग्वेद से लेकर बृहदारण्यकोपनिषद्, पद्मपुराण और मनुस्मृति सहित अन्य वाङ्मयों में इसके संदर्भ मिलते हैं. छान्दोग्य उपनिषद में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र श्वेतकेतु से आत्मा का वर्णन करते हुए कहते हैं कि वृक्ष जीवात्मा से ओतप्रोत होते हैं और मनुष्यों की भाँति सुख-दुःख की अनुभूति करते हैं। हिन्दू दर्शन में एक वृक्ष की मनुष्य के दस पुत्रों से तुलना की गई है- दशकूप समावापीः दशवापी समोह्रदः/ दशह्रद समःपुत्रो दशपत्र समोद्रुमः। इसी संस्कृति में हर भारतीय घर में तुलसी का पौधा कहीं न कहीं मिल ही जाता है। तुलसी का पौधा मनुष्य को सबसे अधिक प्राणवायु ऑक्सीजन देता है। तुलसी के पौधे में अनेक औषधीय गुण भी मौजूद हैं पीपल को देवता मानकर भी उसकी पूजा नियमित इसलिए की जाती है क्योंकि वह भी अधिक मात्रा में ऑक्सीजन देता है। देवों के देव महादेव तो बिल्व-पत्र और धतूरे से ही प्रसनन होते हैं। यदि कोई शिवभक्त है तो उसे बिल्वपत्र और धतूरे के पेड़-पौधों की रक्षा करनी ही पड़ेगी। वट पूर्णिमा और आंवला ग्यारस का पर्व मनाना है तो वट वृक्ष और आंवले के पेड़ धरती पर बचाने ही होंगे। हिन्दुओं के चार वेदों में से एक अथर्ववेद में बताया गया है कि आवास के समीप शुद्ध जलयुक्त जलाशय होना चाहिए। जल दीर्घायु प्रदायक, कल्याणकारक, सुखमय और प्राणरक्षण होता है। शुद्ध जल के बिना जीवन संभव नहीं है। यही कारण है कि जल स्रोतों को बचाए रखने के लिए हमारे ऋषियों ने इन्हें सम्मान दिया। पूर्वजों ने कल-कल प्रवाहमान सरिता गंगा को ही नहीं वरन सभी जीवनदायिनी नदियों को मां कहा है। हिन्दू धर्म में अनेक अवसर पर नदियों, तालाबों और सागरों की मां के रूप में उपासना की जाती है। छान्दोग्योपनिषद् में अनन की अपेक्षा जल को उत्कृष्ट कहा गया है। महर्षि नारद ने भी कहा है कि पृथ्वी भी मूर्तिमान जल है। अंतरिक्ष, पर्वत, पशु-पक्षी, देव-मनुष्य, वनस्पति सभी मूर्तिमान जल ही हैं। जल ही ब्रह्मा है। महान ज्ञानी ऋषियों ने धार्मिक परंपराओं से जोड़कर पर्वतों की भी महत्ता स्थापित की है। पर्वत, देश के प्रमुख पर्वत देवताओं के निवास स्थान हैं और अगर पर्वत देवताओं के वास स्थान नहीं होते तो कब के खनन माफिया उन्हें उखाड़ चुके होते। विंध्यगिरी महाशक्तियों का वास स्थल है, कैलाश महादेव की तपोभूमि है। हिमालय को तो भारत का किरीट कहा गया है। महाकवि कालिदास ने 'कुमारसम्भवम्' में हिमालय की महानता और देवत्व को बताते हुए कहा है- 'अस्तुत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः' भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन की पूजा का विधान इसलिए शुरू कराया था क्योंकि गोवर्धन पर्वत पर अनेक औषधि के पेड़-पौधे थे, मथुरा के गोपालकों के गोधन के भोजन-पानी का इंतजाम उसी पर्वत पर था।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम पंचायत तिलौरा सरपंच वा पंच ने किया शपथ ग्रहण

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। ग्राम पंचायत तिलौरा के सभागार में आज 4अगस्त को दोपहर 2बजे शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि वह गांव के वरिष्ठ नागरिक रिटायर शिक्षक रामखेलावन पाण्डेय जी विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य विष्णुनाथ पाण्डेय जी, शुभकरण गर्ग जी, प्रधान स्वरूप सिंह पटेल जी की अध्यक्षता ने ग्राम पंचायत तिलौरा सचिव रामरूप शर्मा रोजगार सहायक राम सिंह के समक्ष शपथ ग्रहण संपनन्‍ कराया गया ग्राम पंचायत तिलौरा से शपथ ग्रहण किया सरपंच सूरज कॉल उपसरपंच

अयोध्या साहू एवं 1से लेकर 20 वाडी के पंचों को भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य विष्णुनाथ पाण्डेय ने शपथ दिलाई तिलौरा पंचायत के वरिष्ठ नागरिक आम जनमानस सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह संपनन्‍ होने के पश्चात उपसरपंच अयोध्या साहू ने आम जनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के लिए ग्राम पंचायत तिलौरा में कोई जगह नहीं है गांव का हर नागरिक ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले समस्त योजना का लाभ लेने के लिए कोई रिश्वत ना दें साथही ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायत के सभी 20 वाडीं के पंच अपने-अपने वाडी का सर्वे कर पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करें। अंतिम में ग्राम पंचायत सरपंच सूरज कोल ने मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं सभी ग्रामीण जनों का आभार व्यक्त किया।

आजादी के अमृत महोत्सव की दौड़ को वीके सिंह ने दिखाई झंडी

नई दिल्ली । 10 दिन में 750 किमी. दूरी की जाएगी तयइस दौड़ को आजादी के 75 साल पूरे होने के सम्मान और जशन में आयोजित किया गया है। ये सभी आजादी के अमृत महोत्सव को 750 किमी. दौड़कर मनाएंगे। केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने फिट इंडिया अभियान और स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के तहत लखनऊ तक की दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सेवारत अधिकारियों ने तय किया कि वे रोज 75 किमी दौड़कर अगले 10 दिनों में 750 किमी तय कर लखनऊ पहुंचेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर तिरंगा मोटरसाइकिल रैली को झंडी दिखाकर आज सुबह रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में सिख समाज और दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। ये यात्रा 15 अगस्त को होने वाले हर घर तिरंगा कार्यक्रम के समर्थन में और प्रचार करने के लिए सिख समाज ने किया है। जी. किशन रेड्डी ने कहा कि मैं देश के सभी लोगों से अनुरोध करना चाहता हूं कि 15 अगस्त को कोई घर, गांव ऐसा नहीं बचना चाहिए जिसके घर पर तिरंगा हो मगर मन में तिरंगा ना हो।

युवती का आरोप, मसाज पार्लर के मैनेजर और ग्राहक ने किया दुष्कर्म

नई दिल्ली । दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती ने आरोप लगाया है कि मसाज पार्लर के मैनेजर और एक ग्राहक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली के पीतमपुरा में एक मसाज पार्लर में काम करने वाली एक लड़की ने आरोप लगाया कि उसके साथ 5 अगस्त को पार्लर के मैनेजर और एक ग्राहक ने दुष्कर्म किया। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश हुई शुरू

नई दिल्ली । उमस भरी गर्मी से लोगों को मिली राहतदिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई है। झमाझम बारिश के कारण उमस भरी गर्मी के तेवर नरम पड़ गए। शनिवार को रिमझिम बारिश ने मौसम सुहावना कर दिया। दिल्ली-एनसीआर में बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार सुबह को झमाझम बारिश ने मौसम सुहावना कर दिया। बारिश से न केवल गर्मी से राहत मिली है बल्कि पसीने छुड़ा रही उमस में भी कमी आई है।

पहले से बीमार लोगों को ढूंढ रहा है कोरोना वायरस, बढ़ रहे हैं मरीज

नई दिल्ली । लोक नायक अस्पताल के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा कि अस्पताल में गंभीर मरीजों की संख्या बढ़ी है। इसमें बाहर से आने वाले गंभीर रोगी नहीं हैं, बल्कि जो पहले से ही अस्पताल में अन्य बीमारियों के इलाज के लिए पहुंचे थे, वे कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। यदि आप बीमार हैं तो सतर्क रहें...। कोरोना उन्हीं लोगों को ज्यादा प्रभावित कर रहा है जो पहले से किसी अन्य बीमारी से ग्रसित हैं। अस्पतालों में भर्ती होने वाले गंभीर मरीजों की संख्या करीब दोगुना हो गई है। ऑक्सीजन सपोर्ट पर लगभग 100 और आईसीयू में 119 रोगी हैं। वेंटिलेटर पर भी मरीजों की संख्या सात से बढ़कर 12 हो गई है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि अस्पतालों में बाहर से गंभीर मरीज नहीं पहुंच रहे हैं, जो पहले से भर्ती हैं उनमें ही कोरोना के लक्षण मिल रहे हैं। मौसमी वायरल के साथ इन दिनों दिल्ली में कोरोना संक्रमण के भी मामले बढ़े हैं। बृहस्पतिवार तक कोरोना के दैनिक मामलों का ग्राफ दो हजार को पार करते हुए 2202 रहा। वहीं, आईसीयू में 119, ऑक्सीजन सपोर्ट पर 99 और वेंटिलेटर 12 मरीज भर्ती थे, जबकि 29 जुलाई तक आईसीयू में 76, ऑक्सीजन सपोर्ट पर 59 व वेंटिलेटर पर सात रोगी थे। लोक नायक अस्पताल के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा कि अस्पताल में गंभीर मरीजों की संख्या बढ़ी है। इसमें बाहर से आने वाले गंभीर रोगी नहीं हैं, बल्कि जो पहले से ही अस्पताल में अन्य बीमारियों के इलाज के लिए पहुंचे थे, वे कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। इसमें हृदय, लीवर व किडनी से जुड़ी बीमारियों वाले मरीजों की संख्या अधिक है। डॉक्टर ने कहा कि संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इस वजह से पहले से ही गंभीर बीमारी से पीडि़त मरीज संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में गंभीर बीमारियों से पीडि़त मरीजों को अधिक एहतियात बरतने की जरूरत है सफदरजंग विभाग के मेडिसिन विभाग के एक वरिष्ठ डॉक्टर कहते हैं कि मौसम में लगातार नमी के कारण संक्रमण को बढ़ने में मदद मिल रही है। लोग भी कोरोना नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोग बिना मास्क के देखे जा रहे हैं। अस्पताल में कुछ मरीजों में कोरोना के हल्के लक्षण मिल रहे हैं। वहीं, जो मरीज वेंटिलेटर व आईसीयू में हैं, उनमें भी कोरोना के लक्षण मिले हैं। हालांकि, यह लक्षण खांसी, जुकाम व हल्के बुखार के हैं। कोरोना की वजह से मरीज को अधिक परेशानी नहीं हो रही है। राजधानी में बीते एक सप्ताह में 17 लोगों की कोरोना से मौत हुई। सबसे अधिक पांच मौतें तीन अगस्त को दर्ज की गई थी। चार अगस्त को चार मौत हुईं। 31 जुलाई को एक भी मरीज की कोरोना से मौत नहीं हुई थी। डॉक्टरों का कहना है कि गंभीर मरीज अपनी मूल बीमारी की वजह से जान गवां रहे हैं, क्योंकि कोरोना के गंभीर लक्षणों की वजह से मौतें देखने को नहीं मिल रही हैं।

नोएडा प्राधिकरण ने यमुना में डाला दूषित पानी

नई दिल्ली । एनजीटी ने लगाया 100 करोड़ का जुर्माना दिल्ली जल बोर्ड पर भी 50 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना पर्यावरण क्षतिपूर्ति के लिए है। एनजीटी ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को संबंधित एजेंसियों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई रिपोर्ट भी तलब की है।नहरों और यमुना में दूषित पानी के प्रवाह को रोकने के लिए दायर याचिका पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने नोएडा विकास प्राधिकरण पर 100 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। दिल्ली जल बोर्ड पर भी 50 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना पर्यावरण क्षतिपूर्ति के लिए है। एनजीटी ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों को संबंधित एजेंसियों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई रिपोर्ट भी तलब की है। याचिकाकर्ता अभिष्ट कुसुम गुप्ता की 2018 में दायर याचिका में सिंचाई नहर, यमुना व गंगा में औद्योगिक क्षेत्रों और घनी आबादी वाले इलाकों से प्रदूषित पानी डालने से रोकने में नाकामी के लिए नोएडा, दिल्ली जल बोर्ड व अन्य एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराया गया था। गुप्ता ने बताया, अलग-अलग स्रोतों से 215 एमएलडी दूषित पानी नोएडा सेक्टर-11, 137, 51, 52, 49, 168 से होकर यमुना और बाद में गंगा में पहुंचता है।

याचिकाकर्ता ने एनजीटी को बताया कि अपशिष्ट जल नहर और यमुना में प्रवाहित करने से आसपास के 21 किलोमीटर क्षेत्र के 5 लाख की आबादी को वायु और जल प्रदूषण के कारण गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्वच्छ पानी के लिए बायो- ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) भी तय मानकों से कई गुना अधिक है। नोएडा प्राधिकरण के 30 नाले, दिल्ली जल बोर्ड के तीन नाले व खोड़ा विकास परिषद के एक नाले से प्रवाहित होने वाला दूषित पानी पिछले कई वर्षों से गंभीर समस्या बना हुआ है। इस पर अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी।

बार एसोसिएशन मनाएगा रजत जयंती समारोह चार स्तरीय आयोजनों से होगा भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा । गौतम नगर बार एसोसिएशन नोएडा की 25 स्थापना दिवस पर रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में एसोसिएशन रजत जयंती समारोह का आयोजन करने जा रही है। इस बारे गुरुवार को सेक्टर 29 के नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम के संयोजक वीके गौड़ ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह शनिवार 6 अगस्त को से सेक्टर 51 के डायमंड क्राउन प्लाज़ा में 3 बजे आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट शीतल त्यागी ने बताया कि ये समारोह चार स्तर का होगा, जिसमें नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण,संस्था की निर्देशिका का विमोचन, पूर्व सदस्यों का सम्मान और अधिवक्ताओं के बच्चों में 10वीं व 12वीं में 85 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मान प्रोत्साहन

पुरस्कार वितरण शामिल है। संस्था के महासचिव डॉ अंकित मित्तल एडवोकेट ने बताया कि संस्था का पंजीयन 31 जुलाई 1997 में हुआ था इसके 25 वर्ष पूरे हो गए हैं इस उपलक्ष में हम अपना रजत जयंती स्थापना दिवस समारोह मना रहे हैं। जिसमें अन्य कार्यक्रमों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से अधिवक्ताओं को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में 25 वर्ष से अधिक की प्रैक्टिस पूर्ण करने वाले अधिवक्ता साथियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में गौतम नगर सांसद डॉ महेश शर्मा, पुलिस कमिशन्र गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश बार काउंसिल अध्यक्ष मधुसूदन त्रिपाठी के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक नोएडा पंकज सिंह, शिव किशोर गौड़, डी के शर्मा,राजपाल कसाना सीजीएसटी कमिशन्र गौतनबुद्ध नगर कविता भटनागर आदि सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। प्रेस वार्ता के दौरान अश्विनी शर्मा, अंकित गोयल, कार्यकारिणी सदस्य एम सी शर्मा, सचिव अनिल चौहान , इंद्राज, अनिल चौहान, विनय गोयल, राशिद, घनश्याम, मित्रा मिश्रा, वाईएस त्यागी, विकल गुप्ता, अनिमेष मित्तल, गोपाल शर्मा, केके गोयल, मनोज कक्कड़ ,पुष्पेंद्र त्यागी, योगेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

थाना मैहर पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। श्री आशुतोष गुप्ता पुलिस

अधीक्षक महोदय, सतना के कुशल निर्देशन एवं श्री एस के जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय सतना, लोकेश डाबर एसडीओपी मैहर के मार्गदर्शन पर थाना मैहर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध की गई कार्यवाही घटना का विवरणः- दिनांक 04.08.2022 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति काले रंग की सफारी शर्ट, काले रंग का लोवर पहने हुये, जिसकी मूंछे बड़ी है व उम्र करीब 50 से 55 वर्ष की है रिलायंस फैक्ट्री मोड के पास, एनएच-30 रोड के किनारे, एक थैले मे मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु लिये खड़ा हैं मुखबिर सूचना पर हमराही स्टाफ को लेकर मुखबिर के बताये स्थान पर हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति मिला जिससे नाम पता पूंछने पर अपना नाम राममाखन साहू निवासी भैंसासुर मैहर का होना बताया जिसके कब्जे से मिले थैले मे रखे पालीथीन को खोलकर देखा गया जिसमे मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया जिसकी तौल कराने पर कुल 01 किलो 450 ग्राम होना पाया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 8/20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने से अपराध पंजीवद्ध किया गया है । जब्ती माल का विवरणः- 01 किलो 450 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती 14000 रुपये गिरफ्तार आरोपी का नाम पताः- राममाखन साहू उर्फ माखन पिता बब्बू साहू उम्र 55 वर्ष निवासी भैंसासुर थाना मैहर सराहनीय भूमिकाः- अवैध मादक पदार्थ की धरपकड मे निरीक्षक संतोष तिवारी थाना प्रभारी मैहर के नेतृत्व मे उनि अजय अहिरवार, प्र.आर. 522 जीतेन्द्र दुवे, आर. 271 संजय तिवारी, 126 शिवम तिवारी, 624 पंकज मिश्रा, 815 अनिल सिंह, 159 रावेन्द्र मिश्रा, 783 जय बागरी एवं सायबर सेल सतना से सउनि दीपेश पटेल की सराहनीय भूमिका रही है ।

शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम पर भाजपा बदेरा मंडल अध्यक्ष पहुंचे

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मैहर जनपद के ग्राम भटूरा एवं घोरबई पंचायत में शपथ ग्रहण सम्मान समारोह कार्यक्रम रखा गया।जहां मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष सचिन

मिश्रा, भाजयुमो अध्यक्ष अनूप सिंह बुंदेला (राजा भैया), महामंत्री गौरव जयसवाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष प्रदीप पटेल, कोषाध्यक्ष अटल पांडे ने दोनों पंचायतों में शिरकत कर कार्यक्रम पर पहुंचे। कार्यक्रम के तत्पश्चात सभी गणमान्यो ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। नवनिर्वाचित घोरबई सरपंच मुकेश द्विवेदी एवं उपसरपंच स्वामी दीन पटेल एवं भटूरा के नवनिर्वाचित सरपंच रविशंकर शुक्ला, उपसरपंच सुशीला सिंह सहित दोनों पंचायतों के पंचों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी को शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लेते वक्त कहा कि मैं विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा मैं भारत की संप्रभुता एवं अखंडता रखूंगा तथा में सरपंच पंच का पद ग्रहण कर रहा हूं इस पर पद के लिए बीच मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 और उसके अंतर्गत बने नियमों के निहित उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यों का पूर्ण श्रद्धा पूर्वक सच्चाई और ईमानदारी से निर्वहन करुंगा। अपने कार्यकाल में कितने पंचायत क्षेत्र का सर्वागीण विकास, सामाजिक न्याय की भावना को सर्वोपरि रखते हुए, गरीब एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए सतत प्रयास करूंगा, आगे यह भी कहा कि पंचायत क्षेत्र के विकास की एक दीर्घकालीन योजना बने, जिससे मेरी पंचायत के सभी गांवो का विकास हो, सभी बालक/बालिका स्कूल जाए, उन्हें प्रतिदिन मध्यान भोजन मिले गांव में लोगों को सबसे जल मिले सभी लोग स्वस्थ रहें मेरे क्षेत्र का कृषि के क्षेत्र में उत्पादन बड़े मेरी पंचायत के बच्चे गरीब को मांग अनुसार रोजगार मिले नई-नई तकनीकों पर लोग फायदा उठाएं जिससे उत्पादकता बड़े और पंचायत क्षेत्र आत्मनिर्भर और स्वभाव लंबी बने। और आगे कहा कि हम सभी अपने कार्यकाल में अपने गांव की दशा बदलने के लिए प्रयासरत रहेंगे। किसी भी जाति धर्म या संप्रदाय के नाम पर कोई भेदभाव नहीं रखेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम में भटूरा एवं घोरबई पंचायत के समस्त नागरिक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

मैहर में आजादी अमृत महोत्सव में निकाली गई राष्ट्रीय तिरंगा यात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। में निकाली गई तिरंगा यात्रा मैहर आजादी अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा यात्रा 4 अगस्त को किला चौक से हुई शुरुआत इस मौके पर मैहर एसडीएम धर्मेंद्र मिश्रा मैहर सीएमओ रवि गुप्ता मैहर एसडीओपी लोकेश डाबर मैहर टीआई संतोष तिवारी मैहर देवी जी चौकी प्रभारी संतोष उल्हाड़ी तहसीलदार अखिलेश शर्मा सहायक यंत्री राहुल पटेल उपयंत्री धीरेंद्र तोमर नवनिर्वाचित पार्षद अक्षयराज सिंह जू महाराज वरिष्ठ पत्रकार रविंद्रसिंह मंजू सर सोनू तिवारी दिनेश यादव आकाश अग्रवाल रामबाबू चौरसिया धीरेंद्र पाठक मनोज पांडे मै देवेंद्र पांडे इंद्रजीत छोटू विनोद चौरसिया विष्णु चौरसिया दयाराम शुक्ला मंजू महाराज संजय गुप्ता लक्ष्मी अग्रवाल मनोज चौरसिया सैकड़ों की संख्या में लोगों ने साइकिल एवं मोटरसाइकिल से भाग लिया यात्रा मैहर किला से घूमते हुए अग्रसेन चौराहे में 102 फिट ऊंचा राष्ट्रीय झंडा तिरंगा फहराया गया राष्ट्रगान के साथ यात्रा की समाप्ति हुई।

दिन-ब-दिन कम हो रहा किच्चा सुदीप की फिल्म का कलेक्शन, सातवें दिन की सिर्फ इतनी कमाई

नई दिल्ली। कनन्ड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप की पहली पैन इंडिया फिल्म 'विक्रांत रोणा' को रिलीज हुए सात दिन हो गए हैं। फिल्म की है। यह एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है, जो रहस्यमयी घटनाओं का जिक्र करती है। इस फिल्म के प्रमोशन में किच्चा सुदीप और दिन 11.71 करोड़, तीसरे दिन 10.80 करोड़ का कारोबार किया था। इसके बाद पांचवे दिन चार करोड़ का कलेक्शन जो छठे दिन

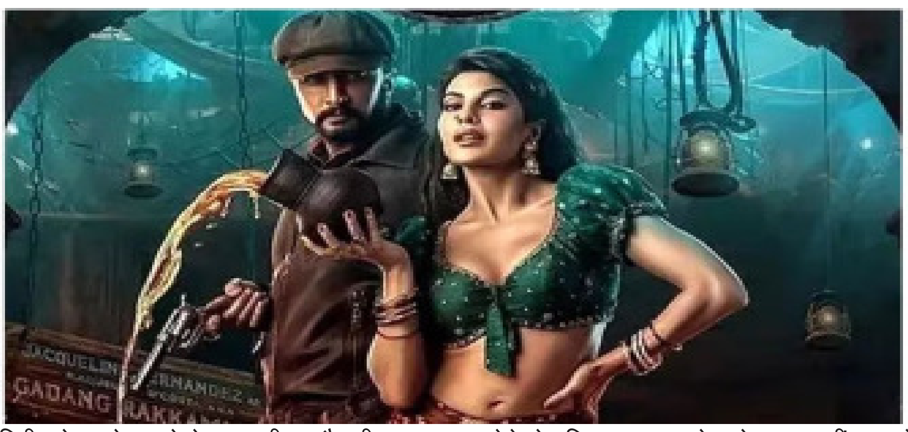

रिलीज के पहले इसको लेकर काफी क्रेज देखने को मिल रहा था। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, फिल्म के कलेक्शन में गिरावट देखने को मिल रही है। सोमवार से ही 'विक्रांत रोणा' का कारोबार दिन-ब-दिन कम हो रहा है। आइए आपको बताते हैं कि फिल्म ने अब तक कितनी कमाई की है। अनूप भंडारी के निर्देशन में बनी 'विक्रांत रोणा' में पहली बार किच्चा सुदीप और जैकलीन फर्नांडीज की जोड़ी देखने को मिली जैकलीन का साथ देने के लिए सलमान खान भी आए थे, लेकिन दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में सभी नाकाम हो रहे हैं। 'विक्रांत रोणा' के कलेक्शन की बात करें तो रिलीज के बाद फिल्म ने बढ़िया प्रदर्शन किया था। लेकिन वीकएंड के बाद से ही इसके कलेक्शन में कम होता चला गया। हालांकि यह अपने साथ रिलीज हुई बाकी फिल्मों से बेहतर कमाई कर रही है। फिल्म ने पहले दिन 26.64 करोड़, दूसरे 3.5 करोड़ हो गया। वहीं, सातवें दिन फिल्म मात्र तीन करोड़ का कलेक्शन ही कर पाई है। 'विक्रांत रोणा' से मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन अब फिल्म का कारोबार दिन-ब-दिन घट रहा है। ऐसे में यह देखना कि फिल्म 70 करोड़ का कलेक्शन कब तक कर पाती है। 95 करोड़ की लागत से बनी यह फिल्म अभी तक 64.34 करोड़ रुपये कमा चुकी है। बता दें कि इस फिल्म को 2500 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था।

बॉलीवुड पर भड़के डब्लूडब्लूई रेसलर वीर महान, फिल्मों के बहिष्कार की मांग कर पूछा- किसने हक दिया

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर बायकॉट का ट्रेंड चल पड़ा है। हिंदी इंडस्ट्री की कोई नई रिलीज हो और ट्विटर पर बायकॉट ट्रेंड न हो ऐसा कि रिंकू सिंह उर्फ वीर महान अपने वीडियो में फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, वीर महान ने अभी रात के डेढ बज रहे हैं। मुझसे रहा नहीं गया। सोशल मीडिया पर मैंने कई मूवीज और वेब सीरीज के क्लिप्स देखें। जिसमें खुलेआम हमारी

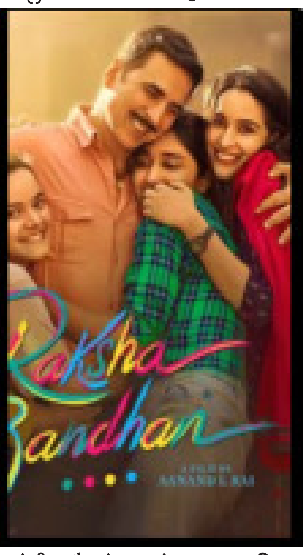

नहीं हो सकता है। आमिर खान के विवादित बयानों की वजह से पहले बायकॉट लाल सिंह चड्ढा का ट्रेंड शुरू हुआ। फिर फिल्म 'ओएमजी' के प्रमोशन के दौरान अक्षय कुमार द्वारा दिए गए तर्क की वजह से 'रक्षा बंधन' को बायकॉट करने का आह्वान किया गया। और अब घरेलू हिंसा को बढ़ावा देने के आरोप में आलिया भट्ट की फिल्म 'डार्लिंग्स' का बायकॉट शुरू हो गया। इन सब विवाद के बीच सोशल मीडिया पर एक और चीज वायरल हो रही है, वह है डब्लूडब्लूई में भारत का परचम लहराने वाले रिंकू सिंह का वीडियो। बता दें हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी करते हुए फिल्मों को बायकॉट करने की मांग की है। पूरे वीडियो में वीर महान ने वैसे तो किसी भी फिल्म का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों से ऐसा लग रहा है कि वह 'लाल सिंह चड्ढा' और 'रक्षा बंधन' की बात कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए रेसलर लिखते हैं,धर्म,आस्था,ज़ाती,इतिहास का मजाक उड़ाने वाली फिल्मों और वेबसीरीज का विरोध करें आवाज उठाएं, देश और धर्म सर्वोपरि है। रिंकू राजपूत कहते हैं, प्रणाम भारत, मैं हूं रिंकू राजपूत। अमेरिका में देवी और देवताओं अपमान किया जा रहा है। हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता का मजाक उड़ा रहे हैं। आप सबको किसने हक दिया है लोगों की भावनाओं और आस्था का मजाक उड़ाने का शर्म करो जो देश पूरे विश्व में अपनी संस्कृति, सभ्यता और इतिहास के लिए जाना जाता है, उसी देश की संस्कृति और सभ्यता का मजाक उड़ा रहे हो। और अश्लीलता के साथ दिखा रहे हो वीर महान आगे कहते हैं, आप सभी देशवासियों से मेरा निवेदन है, आओ हम सब मिलकर, लोगों के भावनाओं के साथ खेलने वाली मूवीज और वेब सीरीज का बहिष्कार करें।

सामंथा से कीर्ति सुरेश तक, यहां देखें बिना मेकअप के कैसी लगती हैं साउथ एक्ट्रेस

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस की तरह दक्षिण भारतीय अभिनेत्रियां भी अपनी खूबसूरती, कमाल की फिटनेस और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हालांकि हम ज्यादातर अभिनेत्रियों को मेकअप साउथ की ये अभिनेत्रियां बिना मेकअप लुक में कैसी लगती हैं। अभिनेत्री काजल अग्रवाल दक्षिण भारतीय सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार हैं। हाल ही में वह एक प्यारे से बच्चे की मां

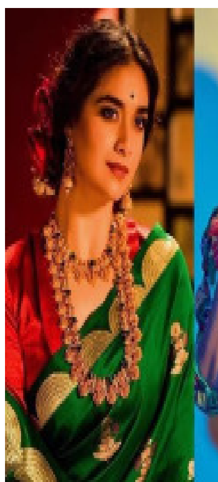

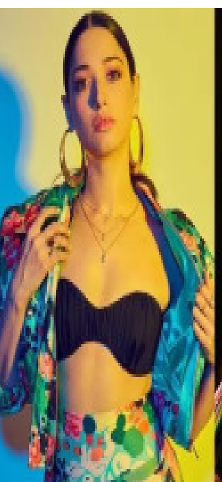

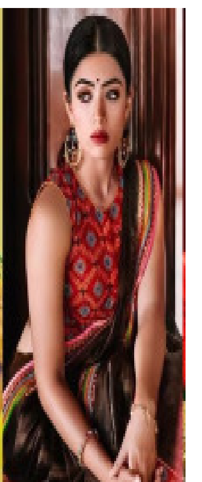

मे ही देखते हैं। अब तक कई बॉलीवुड एक्ट्रेस अपनी नो-मेकअप वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर चुकी हैं लेकिन शायद आपने साउथ की अभिनेत्रियों को बिना मेकअप के नहीं देखा होगा। तो चलिए देखते हैं कि अपनी एक अदा से फैंस का दिल लूट लेने वाली बनी हैं, लेकिन अक्सर वह अपनी ग्लैमरस तस्वीरें साझा करती रहती हैं। हालांकि एक्ट्रेस का बिना मेकअप का लुक भी वायरल हो चुका है। साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को नेशनल क्रश कहा जाता है। उनकी किलर स्माइल फैंस का दिल लूट लेती है, लेकिन क्या आपने उनकी बिना मेकअप वाली तस्वीर देखी है। फिलहाल बिना मेकअप में भी रश्मिका काफी खूबसूरत लगती हैं। अभिनेत्री नयनतारा भी पर्दे पर बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस अंदाज में नजर आती हैं लेकिन बिना मेकअप के उनका लुक बिल्कुल अलग नजर आता है। तस्वीर में एक्ट्रेस को पहचानना भी मुश्किल है। सामंथा हासन न केवल साउथ में बल्कि बॉलीवुड में भी खूब पसंद की जाती हैं और उनकी लंबी फैन फॉलोइंग है। सामंथा की भी नो मेकअप की तस्वीर सामने आ चुकी है। हालांकि बिना मेकअप के भी एक्ट्रेस सामंथा काफी अच्छी लगती हैं। एक्ट्रेस तमनन भाटिय दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। तमनन अभिनय तो दमदार करती ही हैं, इसके साथ ही फैंस उनकी खूबसूरती के भी कायल हैं। तमनन भाटिया की बिना मेकअप की तस्वीरें सामना आ चुकी हैं, हालांकि एक्ट्रेस नो मेकअप लुक में भी कमाल की लगती हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा बायकॉट आलिया भट्ट आलिया

नई दिल्ली। भट्ट की बहु चर्चित फिल्म डार्लिंग्स का ट्रेलर कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ था। फिल्म का ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आया था। वहीं आलिया भट्ट भी इन दिनों नेटफ्लिक्स पर अपनी आने वाली फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। इस फिल्म में शेफाली शाह, विजय का इंतजार करती हैं और इंतजार अधूरा रहता है। इसके बाद वह पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराती हैं, पुलिस स्टेशन के चक्कर काटती हैं और फिर अपना अंदाज बदलती हैं। आखिरकार पति उनकी पकड़ में आ जाता है और वह उसे बंधक बनाकर पीटती हैं। अगले

वर्मा और रोशन मैथ्यू भी हैं। आलिया भट्ट इस फिल्म में घरेलू हिंसा की शिकार महिला बदरुनिसा शेख की भूमिका निभा रही हैं। पति की मारपीट सहने के बाद बदरुनिसा खुद उसे प्रताड़ित करने लग जाती हैं। फिल्म के ट्रेलर में भी कुछ ऐसा ही दिखाया गया है। जिसके बाद यूजर्स सोशल मीडिया पर बॉयकॉट आलिया भट्ट ट्रेंड करा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में ट्रेलर की शुरुआत में आलिया भट्ट के शौहर हमजा शेख का किरदार निभा रहे अभिनेता विजय वर्मा कहते नजर आते हैं, 'मैं अपनी बीवी से बेहद मोहब्बत करता हूं, लेकिन उसे छोड़कर जा रहा हूं।' उसके बाद नजर आती हैं आलिया भट्ट। लाल ड्रेस में और लाल लिपस्टिक लगाती हुई वह पति ही पल खुद घरेलू हिंसा की शिकार होती नजर आती हैं। फिल्म के ट्रेलर में आलिया भट्ट का पति को पीटना दर्शकों को रास नहीं आया है। लोगों का कहना है कि आलिया भट्ट पुरुषों के खिलाफ घरेलू हिंसा का समर्थन कर रही हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया पर लोग आलिया भट्ट के खिलाफ बायकॉट ट्रेंड करा रहे हैं। लोगों का कहना है कि नेटफ्लिक्स को आलिया भट्ट की डार्लिंग्स पर बैन लगाना चाहिए। डार्लिंग्स में आलिया भट्ट मुख्य किरादार के रूप में नजर आ रही हैं। इस फिल्म को शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित किया गया है। जसमीत के. रीन द्वारा बनाई गई यह फिल्म 5 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

बेहतरीन आवाज के मालिक थे किशोर कुमार, इन गानों के जरिए लोगों के दिलों में किया राज

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा के इतिहास में ऐसे कई कलाकार मौजूद हैं, जिन्होंने अपने हुनर से ना सिर्फ लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि इतिहास के पननें में अपनी अलग जगह बना ली। भारतीय सिनेमा के इतिहास में ऐसे कई कलाकार मौजूद हैं, जिन्होंने अपने हुनर से ना सिर्फ लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि इतिहास के पननें में अपनी अलग जगह बना ली। हिंदी सिनेमा के मशहूर गायक किशोर कुमार इंडस्ट्री के ऐसे ही कलाकारों में से एक हैं। अपनी आवाज के लिए मशहूर किशोर कुमार एक अभिनेता, संगीतकार, लेखक और निर्माता भी थे। चार अगस्त 1929 को मध्यप्रदेश के खंडवा में जन्मे किशोर कुमार ने अपने फिल्मी करियर में करीब 1500 से ज्यादा गानों को अपनी आवाज दी। सिंगर के जन्म दिवस के मौके पर जानते हैं उनके गाए गानों में से कुछ बेहतरीन गानों के बारे में- मशहूर अभिनेता राजेश खनन और शर्मिला टैगोर स्टारर फिल्म आराधना अपने समय की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के कई गाने थी। इस फिल्म का गाना अच्छा तो हम चलते हैं आज भी काफी मशहूर हैं। 1975 में आई फिल्म आंधी अपनी रिलीज के समय काफी विवादों में रही थी। संजीव कुमार और सुचित्रा सेन स्टारर इस फिल्म के मशहूर गाने तुम आ गए हो नूर आ गया है को भी किशोर कुमार ने अपने सुरों से पिरोया था। फिल्म मिस्टर एक्स इन मुंबई में किशोर कुमार ने ना सिर्फ गाने को अपनी आवाज दी थी, बल्कि खुद इस फिल्म में अभिनय भी किया था। फिल्म का मशहूर गाना मेरे महबूब कयामत होगी आज भी लोगों के बीच काफी मशहूर है। यह गाना लोगों को इतना पसंद है कि इस गाने का रीमेक भी बनाया जा चुका है। बॉलीवुड एक्टर रणधीर कपूर और रेखा स्टारर फिल्म रामपुर का लक्ष्मण भी अपने दौर की हिट फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का गाना गुम है किसी के प्यार में भी किशोर कुमार ने ही गाया था। 1977 में आई राजेश खनन और सिंपल कपाड़िया स्टारर फिल्म अनुरोध के भी कई गाने लोगों के

उस दौर में मशहूर हुए थे, लेकिन किशोर कुमार की आवाज में गाया गाना मेरे सपनों की रानी आज भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। किशोर कुमार ने अपने फिल्मी करियर में राजेश खनन के लिए कई गाने गाए। राजेश खनन की फिल्म आन मिलो सजना में अभिनेत्री आशा पारेख संग उनकी जोड़ी लोगों को काफी पसंद आई बीच लोकप्रिय हैं, लेकिन इस फिल्म का मशहूर गाना आते जाते खूबसूरत अवारा सड़कों पे किशोर कुमार की आवाज में काफी हिट हुआ था। राजेश खनन और हेमा मालिनी स्टारर फिल्म महबूबा का गाना मेरे नैना सावन भादो भी किशोर कुमार ने ही गाया है। इस गाने को लोग आज भी सुनना पसंद करते हैं।

निगेटिव रोल निभाने के लिए मशहूर थीं शशिकला, इन पांच दमदार किरदारों से मनवाया एक्टिंग का लोहा

नई दिल्ली। 70 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस शशिकला का जन्म आज ही के दिन यानी 4 जुलाई को हुआ था। उनका पूरा नाम शशिकला जावलकर है। वह एक मराठी परिवार से थीं। उन्होंने एक्टिंग करियर में करीब 100 फिल्मों में काम किया। शशिकला को उनके नकारात्मक किरदारों के लिए जाना जाता है। वह कभी खुशी कभी गम और मुझसे शादी करोगी जैसी कई सफल फिल्मों और सोनपरी जैसे टीवी शो में दिखाई दे चुकी हैं। उनकी 90वीं जयंती पर, हम उन पांच फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। फिल्ममेकर बिमल रॉय की इस फिल्म में सुजाता का किरदार नूतन ने निभाया था। यह एक अनाथ बच्ची की कहानी थी जिसे एक उच्च जाति का परिवार गोद ले लेता है। इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। फिल्म में शशिकला ने सुजाता की सौतेली बहन रमा की भूमिका निभाई थी जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट भी किया गया था। फिल्म में मीना (माला सिन्हा) राजेंद्र (सुनील दत्त) से प्यार करती है, लेकिन अशोक (अशोक कुमार) से शादी कर लेती है, क्योंकि उसकी पत्नी और माला सिन्हा की ऑनस्क्रीन बहन, कमला (निरूपा रॉय) की एक दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है। अपनी बहन के बच्चों की वजह से मीना को यह शादी करनी पड़ती है। फिल्म में शशिकला ने लीला की भूमिका निभाई थी जो सुनील दत्त की पतने का नाटक करके माला सिन्हा को ब्लैकमेल एसोसिएशन (बीएफजेए) अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। यह फिल्म साल 1969 में रिलीज हुई थी। फिल्म की कहानी एक मेहनती डॉक्टर आरती (माला सिन्हा) की है जो दीपक (प्रदीप कुमार) नाम के एक व्यक्ति से शादी करती है, जो उसकी जान बचाता है। फिल्म में

करती है। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा गया था। तरुण मजूमदार की इस फिल्म में शशिकला की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। फिल्म में शशिकला को उनकी दमदार परफॉर्मेंस के लिए बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट शशिकला ने आरती की भाभी जसवंती की भूमिका निभाई थी, जो उसके प्रति द्वेष की भावना रखती है और उसे बहुत परेशान करती है। उन्होंने इस फिल्म के लिए अपनी पहली फिल्मफेयर की ट्रॉफी और बीएफजेए पुरस्कार जीता था।

एसएस राजामौली के घर लंच पर पहुंचे अनुपम खेर को पसंद आई डायरेक्टर की सादगी

नई दिल्ली। शॉल ओढ़ाकर दिया सम्मानबॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर फिल्म निर्माता एसएस राजामौली से मिलने उनके घर हैदराबाद पहुंचे थे। फिल्म निर्माता ने उन्हें लंच पर बुलाया था। इस पतने रमा राजामौली भी नजर आईं। अनुपम खैर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें शेयर करते हुए एसएस राजामौली के लिए एक स्पेशल मैसेज भी लिखा है। अनुपम खेर ने लिखा, 'डियरेस्ट

दौरान राजामौली ने अनुपम खेर का भव्य स्वागत किया, जिसके बाद अभिनेता ने भी शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मान दिया। अभिनेता ने इस दौरान की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें राजामौली के साथ उनकी रमा जी और राजामौली हैदराबाद में आपके घर में शानदार लंच और प्यार के लिए थैंक्यू। मुझे आपके ही घर में आपका इस ट्रेडिशनल शॉल से स्वागत करके काफी अच्छा लगा। मुझे आपकी विनम्रता और सादगी काफी पसंद आई। मैं खुशनसीब हूं। आपसे बहुत कुछ सीखने के लिए मिला।' वहीं, वीडियो में दिखाई दे रहा है कि जब अनुपम खैर राजामौली को शॉल ओढ़ाकर सम्मान देने लगते हैं, तो फिल्म निर्माता भी देख हैरान रह जाता हैं और हंसते हैं। अनुपम कहते हैं कि आप मुझे फिर कैसे याद रखेंगे? इस पर रमा राजामौली कहती हैं कि आपको कैसे कोई भूल सकता है। वहीं, इसके बाद एक फोटो में राजामौली और अनुपम खेर दोनों हाथ जोड़े नजर आ रहे हैं, तो दूसरी में रमा राजामौली भी उनके साथ दिखाई दे रही हैं। अनुपम खेर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह कंगना रणौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह जयप्रकाश नारायण का किरदार निभाएंगे। इसके अलावा रवि तेजा की फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' में भी अनुपम खेर नजर आएंगे। वहीं, एसएस राजामौली की इस साल रिलीज हुई 'आरआरआर' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब खबरें हैं कि वह महेश बाबू के साथ एक फिल्म बनाने वाले हैं, जिसके प्री प्रोडक्शन की तैयारी चल रही है।

'एक विलेन रिटर्न्स' को 40 करोड़ कमाने के लाले, फ्लॉप की ओर बढ़े कदम

नई दिल्ली। बीते शुक्रवार को मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' रिलीज हुई। मेकर्स समेत स्टारकास्ट को भी ये उम्मीद थी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएगी, लेकिन बड़े सितारे होने के बाद भी ये मूवी दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में कामयाब में ही सिमट सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक विलेन रिटर्न्स का कुल बजट करीब 60 करोड़ रुपये था। इस हिसाब से फिल्म को ओपनिंग डे पर करीब 8 करोड़ रुपये का कारोबार करना चाहिए था, लेकिन पहले ही दिन खराब ओपनिंग के चलते फिल्म रेस

नहीं हो पा रही है। इस फिल्म का लीड रोल में अर्जुन कपूर, जॉन अब्राहम, तारा सुतारिया और दिशा पाटनी हैं। हालांकि इन चारों स्टारकास्ट की पिछली फिल्में भी फ्लॉप रही हैं। ऐसे में एक विलेन रिटर्न्स पर हिट होने का दबाव था, लेकिन ये फिल्म दर्शकों के दिलों में खास जगह नहीं बना पाई है और उम्मीद जताई जा रही है कि इस फिल्म का कलेक्शन 40 से 45 करोड़ से बाहर हो गई। हालांक वीकएंड पर एक विलेन रिटर्न्स के कारोबार में कुछ बढ़त देखने को मिली। तब उम्मीद जताई जा रही थी कि फिल्म बढिया प्रदर्शन कर सकती है, लेकिन ये फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर पानी फेरती नजर आ रही है। 29 जुलाई को बड़े पर्दे पर आई एक विलेन रिटर्न्स को छह दिन हो चुके हैं, लेकिन फिल्म के कलेक्शन में कुछ खास सुधार होता नजर नहीं आ रहा है। तो चलिए हम आपको इस फिल्म के अब तक के कलेक्शन के बारे में बताते हैं- मोहित सूरी के निर्देशन में बनी एक विलेन रिटर्न्स सिद्धार्थ मल्होत्रा, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर की फिल्म एक विलेन का सीक्वल है। एक विलेन बड़े पर्दे पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म में एक हीरो और एक विलेन दिखाया गया था, वहीं एक विलेन रिटर्न्स में चारों मुख्य किरदार विलेन के रूप में हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस. डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

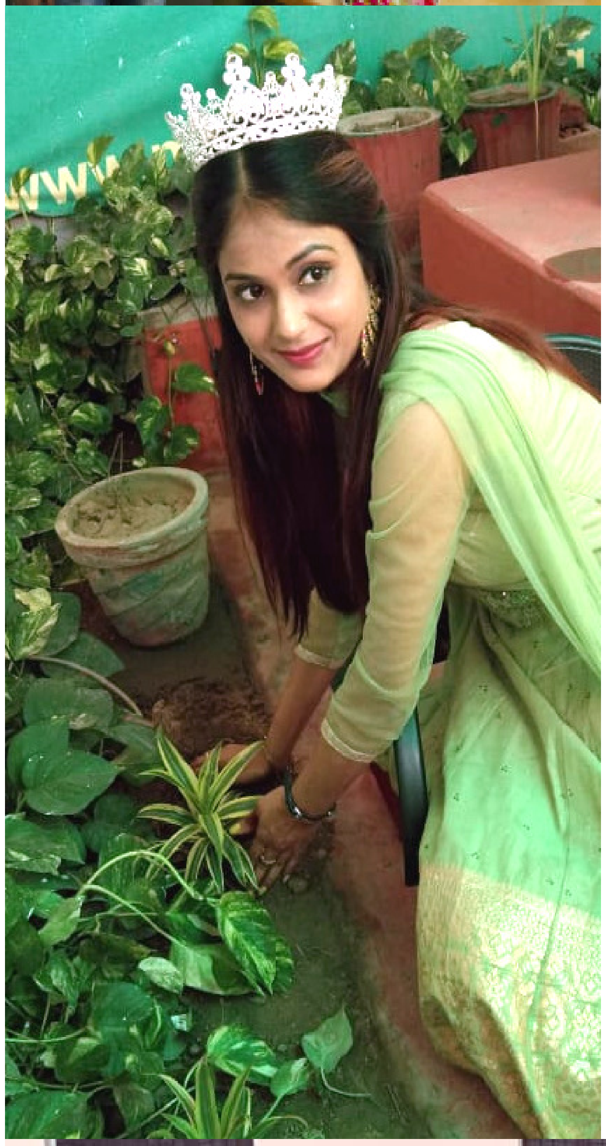

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

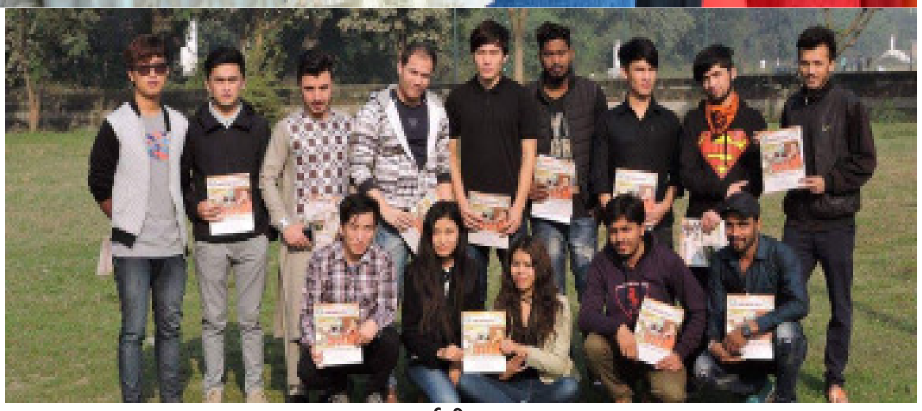

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर्स, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274